मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 268
रविवार, 19 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन को आता देख दुर्दांत नक्सलियों की भी रूह काँप जाती हैः अमित शाह

नईदिल्ली, 19 अप्रैल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने सीआरपीएफ की 86वीं स्थापना दिवस परेड में बतौर मुख्य अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए 2,264 सुरक्षा कर्मियों के बलिदान को श्रद्धांजलि दी और यह स्पष्ट किया कि सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन को आता देख दुर्दांत नक्सलियों की भी रूह काँप जाती है। कोबरा बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ के अन्य जवानों ने नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह बयान न केवल एक सैन्य उपलब्धि को रेखांकित करता है, बल्कि देशवासियों को यह भरोसा भी दिलाता है कि भारत की सुरक्षा चट्टान जैसी मजबूत है।

एक समय था, जब पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के जंगलों में लाल आतंक फैला हुआ था। नक्सली ताकतें भारत के बड़े भूभाग को अस्थिर करने की कोशिश में लगी थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सटीक रणनीति की बदौलत करिश्माई तरीके से आज यह लाल आतंक चार जिलों तक सिमट चुका है। नक्सलवाद को नासूर मानने वाले शाह ने सख्त रणनीति और सीआरपीएफ के ही दम पर ही यह भविष्यवाणी की है

कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा।

बीते कुछ वर्षों में पूरी दुनिया ने यह देखा है कि मोदी-शाह की जोड़ी ने देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा को एक नया आयाम दिया है। एक ओर सख़्ती से आतंक का दमन, तो दूसरी ओर विकास से जनजीवन में स्थायित्व, यह संतुलन ही असली नेतृत्व की पहचान है। अमित शाह की रणनीति हमेशा से स्पष्ट रही है, सुरक्षा के मोर्चे पर जीरो टॉलरेंस और नागरिकों के लिए विकास का रास्ता खोलना। आज भारत नक्सलवाद के उस दौर को पीछे छोड़ चुका है जब डर ही शासन करता था। अब शासन का आधार है विकास, लोकतंत्र और सुरक्षा देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए सीआरपीएफ के जवानों ने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसे भारतवासी कभी भूल नहीं सकते। वास्तव में, जिन इलाकों में कभी पुलिस तक जाने से डरती थी, आज वहाँ स्कूल, अस्पताल और सड़कें बन रही हैं। यह 'नए भारत' की तस्वीर है। स्वच्छ भारत, हर घर तिरंगा, एक भारत श्रेष्ठ भारत, स्वच्छता ही सेवा, एक पेड़ माँ के नाम जैसे कई अभियानों को सीआरपीएफ ने बहुत अच्छे तरीके से जमीन पर उतार कर यह सिद्ध किया है कि देश और समाज के लिए सीआरपीएफ हमेशा सजग है।

आज जब बात राष्ट्रीय सुरक्षा की होती है, तो अमित शाह का नाम दृढ़ संकल्प और निर्णायक नेतृत्व के प्रतीक के रूप में उभर कर सामने आता है। चाहे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना हो, या नक्सलवाद पर निर्णायक वार करना हो, भारतीय राजनीति के चाणक्य शाह ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि देश की सुरक्षा के लिए कोई भी निर्णय लेने से वे हिचकते नहीं। पीएम मोदी की अगुआई और अमित शाह की रणनीतियों से भारत ने न सिर्फ आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है।

मिथुन चक्रवर्ती ने फिर की पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

कोलकता, 19 अप्रैल। भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान कम से कम दो महीने के लिए राज्य में सेना तैनात की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार अनुरोध किया है और मैं अभी भी गृह मंत्री से अनुरोध कर रहा हूं। कम से कम चुनाव के दौरान दो महीने के लिए सेना को तैनात करें। अगर उन्हें तैनात किया जाता है, तो निष्पक्ष चुनाव हो सकेंगे।

चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस की भी आलोचना की और कहा कि जब भी कोई दंगा या उपद्रव होता है, तो वे बस एक कुर्सी लेकर आते हैं, बैठ जाते हैं और देखते हैं जैसे कि यह कोई तमाशा हो। और एक बार जब यह खत्म हो जाता है, तो वे अपनी कुर्सियाँ समेट कर घर चले जाते हैं। यही उनका काम है। आँखें बंद करके, सब कुछ अनदेखा करके। मिथुन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर वो मैडम (ममता बनर्जी) वाकई चाहतीं तो एक दिन में सब कुछ बंद हो सकता था।

उन्होंने कहा कि एक दिन और सब खत्म हो जाता। लेकिन अभी तक उन्होंने कुछ भी नहीं कहा है। वैसे, वो अलग बात है। बंगाल में अभी सनातनी लोग, ईसाई, सिख- हमारे सभी भाई- वे इस पार्टी को वोट नहीं देने वाले हैं। उनका समय अब ??खत्म हो चुका है, इसलिए आपको उनके वोट बैंक को खुश रखना है। इसलिए चाहे कुछ भी गलत हो जाए, उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा जाएगा।

नौवीं बार नवीन पटनायक ने संभाली बीजेडी की कमान, निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

ओडिशा, 19 अप्रैल। विपक्ष के नेता (एलओपी) और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक लगातार 9 बार बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष चुने गए। चूंकि क्षेत्रीय पार्टी से किसी ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया था, इसलिए उन्हें निर्विरोध चुना गया। बीजद ने शनिवार को शंख भवन में औपचारिक रूप से नतीजों की घोषणा की। बीजद नेता प्रदीप माझी ने कहा कि बीजू जनता दल के अनगिनत कार्यकर्ता और नेता इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि नवीन पटनायक फिर से पार्टी के सुप्रीमो चुने जाएं। उनके नेतृत्व में हम सभी सजग सिपाही की तरह काम करेंगे और 2029 में पार्टी को फिर से सत्ता में लाएंगे। बीजद नेता देबी प्रसाद मिश्रा ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष 2025 के लिए

संगठनात्मक चुनाव के सातवें दौर में कार्यकताओं और सदस्यों का चयन करेंगे। पार्टी की राज्य परिषद और कार्यकारी समिति नियुक्ति के संबंध में निर्णय लेगी। यह नामांकन उनके पिता बीजू पटनायक की पुण्यतिथि पर दाखिल किया गया था - जो कि व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्व से भरा हुआ क्षण था। यह राजनीतिक मील का पत्थर बीजेडी के लिए एक महत्वपूर्ण दौर के दौरान आया है, जिसने हाल ही में 2024 के ओडिशा चुनावों में काफी जमीन खो दी है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अब 147 विधानसभा सीटों में से 78 जीतकर प्रभावशाली उपस्थिति रखती है। इस बीच, ओडिशा में एक भी लोकसभा सीट हासिल करने में बीजेडी की असमर्थता बदलते राजनीतिक परिदृश्य को रेखांकित करती है। 24 साल सत्ता में रहने के बाद बीजेडी अब विपक्ष में है। विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर नवीन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। पिछले चुनावों में हार के बाद पार्टी के भीतर पनप रहा असंतोष अब वक्फ वोट को लेकर संकट का रूप ले चुका है।

हमारे आदर्श इस्लाम विरोधी या मुस्लिम विरोधी बिलकुल नहीं: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन राजनीतिक दलों की आलोचना की जो बाबर, तैमूर, औरंगजेब और गजनवी जैसे ऐतिहासिक पात्रों की प्रशंसा करते हैं, जिन्हें अक्सर भारत में आक्रमणों से जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से ऐसी प्रशंसा की उम्मीद की जाती है, लेकिन जब यह भारत के भीतर से आती है तो इस पर सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान में बाबर, तैमूर, औरंगजेब और गजनवी की तारीफ की जाती है तो यह समझ में आता है क्योंकि उनकी नीति और राजनीति दोनों ही भारत विरोधी हैं। उन्होंने (पाकिस्तान ने) जो भी मिसाइलें बनाई हैं, उनका नाम बाबर, गजनवी जैसे आक्रमणकारियों के नाम पर रखा है।

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम पाकिस्तान के भारत विरोधी रुख को समझते हैं लेकिन इन लोगों की क्या मजबूरी है? क्या उन्हें लगता है कि बाबर, तैमूर, औरंगजेब, गजनवी का समर्थन करके उन्हें मुस्लिम समुदाय का समर्थन मिल जाएगा? ऐसा करके वे देश के मुस्लिम समुदाय का भी अपमान कर रहे हैं। सिंह ने छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेते हुए भारत के समावेशी चरित्र पर जोर दिया, जिन्होंने धर्म की परवाह किए बिना सभी के लिए एकता और कल्याण को बढ़ावा दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे आदर्श इस्लाम विरोधी या मुस्लिम विरोधी बिलकुल नहीं थे। हकीम खान सूरी ने मुगलों के खिलाफ हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के साथ लड़ाई लड़ी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में मुस्लिम समुदाय के लोग भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के अंगरक्षकों में सबसे भरोसेमंद व्यक्ति मदारी नाम का एक मुस्लिम युवक था। ऐसे महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे नायक हैं। उन्होंने कहा कि हम धर्म की राजनीति नहीं करते। हमारे लिए सभी भारतीय समान हैं। हमने यह अपने पूर्वजों से सीखा है। हमने यह अपने आदर्श छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप से सीखा है, जिन्होंने कभी धर्म के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव नहीं किया। उन्होंने हमेशा राम-राज्य के आदर्शों के साथ लोगों के कल्याण के लिए काम किया है। रक्षा मंत्री ने कहा, ये तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादी दारा शिकोह के बारे में बात नहीं करते, इसी तरह, वे आदिल शाह के बारे में भी बात नहीं करते। आदिल शाह के कई आदेश देवी सरस्वती की पूजा से शुरू होते हैं।

बसपा संगठन का विस्तार करने में जुटीं मायावती

लखनऊ, 19 अप्रैल। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को राष्ट्रीय जनगणना, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और भाषा नीति जैसे प्रमुख मुद्दों पर केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों के बीच चल रहे विवादों की कड़ी आलोचना की। मायावती ने एक्स पर लिखा कि पश्चिम के महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल में बीएसपी संगठन के गठन की तैयारी व मजबूती एवं पार्टी के जनाधार को बढ़ाने आदि पर दिल्ली में हुई बैठक में गहन समीक्षा व आगे पूरे तन, मन, धन से पार्टी के कार्यों को दिशा-निर्देशानुसार बढ़ाने का संकल्प।

मायावती ने आगे लिखा कि जनगणना व उसके आधार पर लोकसभा सीटों का पुनः आवंटन, नई शिक्षा नीति व भाषा थोपने आदि के इन राज्यों व केन्द्र के बीच विवाद के राजनीतिक स्वार्थ के लिए उपयोग से जन व देशहित का प्रभावित होना स्वाभाविक। गुड गवरनेन्स वही जो पूरे देश को संविधान के हिसाब से साथ लेकर चले। उन्होंने कहा कि वैसे भी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले खासकर शोषित-उपेक्षित गरीबों, दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्ग आदि के बच्चे-बच्चियाँ अंग्रेजी का ज्ञान अर्जित किए बिना आगे चलकर आईटी

व स्किल्ड क्षेत्र में कैसे आगे बढ़. सकते हैं, सरकार इस बात का जरूर ध्यान रखे। भाषा के प्रति नफरत अनुचित है।

इससे पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान की आड़ में राजनीतिक लाभ के लिए दलितों का शोषण करने का आरोप लगाया। बसपा नेता ने ह्यएक्सह्न पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ह्लविदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आए दिन सपा द्वारा भी पार्टी के खासकर दलित लोगों को आगे कर तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले मामले सामने आ रहे हैं। इनकी अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है, यह इनकी घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ही प्रतीत होती है।

मंगलुरु में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विशाल प्रदर्शन

मंगलुरु। केंद्र सरकार के वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में कर्नाटक उलेमा फेडरेशन के बैनर तले शुक्रवार को अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों लोगों ने मंगलुरु के अडयार-कन्नूर मार्ग के पास विरोध-प्रदर्शन किया। यहां तक कि एक जनहित याचिका पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के राष्ट्रीय राजमार्ग को बाधित या बंद न होने देने के आदेश के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग लगभग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और पुलिस की लाख कोशिशों के बावजूद लोगों का इस मार्ग से निकल पाना कई घंटों तक असंभव बना रहा। शुक्रवार की नमाज के बाद आयोजित इस विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व कर्नाटक उलेमा फेडरेशन के बैनर तले दक्षिण कन्नड़ जिला काजी और उडुपी जिला काजी ने किया।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
Medi Assist STAR
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था
YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)
ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME
WE SERVICE FOR HUMANITY
Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,
• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •

Dr. Jyoti MD (AM)
CONTACT NO.- 9820674896/9664682587
Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

कला सशक्त माध्यम है दुनिया को खूबसूरत बनाने का

-ललित गर्ग

कला जीवन को रचनात्मक, सृजनात्मक, नवीन और आनंदमय बनाने की साधना है। कला के बिना जीवन का आनंद फीका अधूरा है। कला केवल एक भौतिक वस्तु नहीं है जिसे कोई बनाता है बल्कि यह एक भावना है जो कलाकारों और उन लोगों को खुशी और आनंद देती है जो इसकी गहराई को समझते हैं। कला अति सूक्ष्म, संवेदनशील और कोमल है, जो अपनी गति के साथ मस्तिष्क को भी कोमल और सूक्ष्म बना देती है। हम जो कुछ भी करते हैं उसके पीछे एक कला छिपी होती है। कला का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व है। इसी महत्व के लिये विश्व कला दिवस विभिन्न कलाओं का एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव है, जिसे दुनिया भर में रचनात्मक गतिविधि के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कला संघ (आईएए) द्वारा घोषित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय कला संघ की 17वीं आम सभा में 15 अप्रैल को इस दिवस को घोषित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसका पहला समारोह 2012 में आयोजित किया गया था। इस प्रस्ताव को तुर्की के बेदरी बैकम ने प्रायोजित किया और मैक्सिको की रोजा मारिया बुरीलो वेलास्को, फ्रांस की ऐनी पौरनी, चीन के लियू दावई, साइप्रस के क्रिस्टोस सिमेओनिडेस, स्वीडन के एंडर्स लिडेन, जापान के कान इरी, स्लोवाकिया के पावेल क्राल, मॉरीशस के देव चूरामुन और नॉर्वे की हिल्डे रोगनस्कॉग ने सह -हस्ताक्षर किए।

विश्व कला दिवस की 2025 की थीम है अभिव्यक्ति का उद्यानः कला के माध्यम से समुदाय का विकास करना। इस थीम का उद्देश्य कला के माध्यम से सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। दुनिया भर के कलाकारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है, जिसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों और उनकी कला को सुरक्षित, संरक्षित एवं सवंर्धित करना और उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। कला दिवस विश्व में विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। कलाकार कविता, पेंटिंग, मूर्तिकला, नृत्य, संगीत जैसे विभिन्न भौतिक साधनों के माध्यम से अपने विचारों, रचनात्मकता, ज्ञान, भावनाओं और कल्पना का आदान-प्रदान करते हैं। यह दिन हमें अपने आस-पास की प्रकृति में गोता लगाने, उसकी सुंदरता का निरीक्षण करने और अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देने को प्रेरित करता है। इसके माध्यम से जीवन की खूबसूरती को उकेरने एवं मोहक दुनिया का सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है।

विश्व कला दिवस की तिथि लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में तय की गई थी, जो इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे। लिओनार्दो अपनी कला की वजह से दुनिया भर में मशहूर थे, दा विंची को विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सहिष्णुता, भाईचारे और बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कला के महत्व के प्रतीक के रूप में चुना गया था। कला और कलाकारों की कलात्मक सोच को सम्मानित और आत्मसात करने के उद्देश्य से ही हर साल यह दिवस मनाया जाता है। रंगों और आकृतियों के माध्यम से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए, कला जीवन के सार को पकड़ती है, भावनाओं को जगाती है और शब्दों के बिना भी संबंध को बढ़ावा देती है। विंची एक महान कलाकार थे। उन्होंने कई ऐसी पेंटिंग बनाई हैं, जो विश्वभर में प्रसिद्ध हुई हैं। इन सब में ह्यमोना लिसा की पेंटिंग के बारे में बच्चे-बच्चे को पता है। लेकिन, विंची ने मोना लिसा के अलावा भी कई विख्यात पेंटिंग बनाई हैं, जिनमें से कुछ हैं - लास्ट सपर, सेल्फ पोर्ट्रेट, द वर्जिन ऑफ द रॉक्स, हेड ऑफ अ वुमेन आदि। उनकी बनाई गई पेंटिंग्स आज भी दुनियाभर के म्यूजियम में रखी हुई हैं, जिन्हें देखने हर साल कई लाख लोग आते हैं। दुनिया में कला के विविध रंग बिखरे हैं, कई अद्भुत आर्ट फॉर्म्स प्रचलित है। पॉप आर्ट एक खास तरह का आर्ट फॉर्म है, जो सदियों से लोगों का पसंदीदा रहा है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटिंग को एक कल्पना के तहत बनाया जाता है। इसमें पेंटिंग्स के पारंपरिक तरीकों का प्रयोग किया जाता है। कंटेम्परी आर्ट का सीधा मतलब है, ऐसा आर्ट जो हाल के समय में बनाया गया हो। इस तरह के आर्ट में हाल में हुई घटनाओं पर फोकस किया जाता है। कई लोग मानते हैं कि कंटेम्परी आर्ट और मॉडर्न आर्ट एक ही हैं। मगर ऐसा नहीं है, कंटेम्परी आर्ट के उलट मॉडर्न आर्ट के पेंटिंग्स में पारंपरिक तरीकों को फॉलो नहीं किया जाता है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटर्स को छूट होती है, अपनी कल्पना के तहत पेंटिंग्स बनाने की। एब्स्ट्रैक्ट आर्ट की पेंटिंग्स बनाना एक बहुत मुश्किल और उलझा हुआ काम है। इस तरह के आर्ट में रंगों और अलग-अलग तरह की आकृतियों का इस्तेमाल किया जाता है, जो एक दूसरे में घुली-मिली-सी होती है। एब्स्ट्रैक्ट आर्ट में कलर्स का इस्तेमाल खासतौर पर भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। स्पिरिचुअल आर्ट में अध्यात्म और भक्ति से जुड़ी हुई पेंटिंग्स बनाई जाती हैं। कई बार कलाकार पूरी तरह से भक्ति और अध्यात्म में डूबकर ही इस तरह की पेंटिंग्स को पूरा कर पाते हैं। हर देश में वहां के कल्चर, अध्यात्म, आस्था और भगवान के अनुसार स्पिरिचुअल आर्ट्स बनाए जाते हैं।

संगीत भी कला का माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत अमृत कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपुरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं, ये कला के बेजोड़ नमूने है। भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ती है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास भक्ति संगीत एवं साहित्य विलक्षण उदाहरण हैं।

कठपुतली भी कला का ही एक नमूना है, लकड़ी अर्थात काष्ठ से इन पात्रों को निर्मित किये जाने के कारण अर्थात काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा। पुतली कला कई कलाओं का मिश्रण है, जिसमें-लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि। भारत में यह कला प्राचीन समय से प्रचलित है, जिसमें पहले अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, हीर-रांझा, लैला-मजनूं, शीरी-फरहाद की कथाएँ ही कठपुतली खेल में दिखाई जाती थीं। भारत में प्राचीन समय से नृत्य की समृद्ध परम्परा चली आ रही है। नृत्य के अनेक प्रकारों में कथकली प्रमुख है, मोहिनीअट्टम नृत्य भी केरल राज्य का है। मोहिनीअट्टम नृत्य कलाकार का भगवान के प्रति अपने प्यार व समर्पण को दर्शाता है। ओडिसी ओडिशा राज्य का प्रमुख नृत्य है। यह नृत्य भगवान कृष्ण के प्रति अपनी आराधना व प्रेम दर्शाने वाला है। कुचिपुड़ी नृत्य की उत्पत्ति आंध्रप्रदेश में हुई, इस नृत्य को भगवान मेला नटकम नाम से भी जाना जाता है। भारत के विभिन्न नृत्यकलाओं में निपुण अनेक नर्तकों एवं नृत्यांगनाओं ने पूरी दुनिया में भारतीय नृत्य कलाओं का नाम रोशन कर रहे हैं। जिनमें सोनल मानसिंह, यामिनी कृष्णामूर्ति, केलुचरण महापात्रा आदि चर्चित नाम है। सब लोग किसी न किसी कला में उस्ताद जरूर होते हैं। जैसेकि लेखक, कवि, नाटककार, संगीतज्ञ, गीतकार, नृत्यकार आदि। आज के युवा बहुत-सी कलाओं को दुनिया के सामने ला रहे हैं, जो सबको अचंभे में डाल देती है। दुनिया भर की इन्हीं कलाओं को बढ़ावा देने और जो लोग कला का सम्मान नहीं समझते, उन्हें कला के अलग-अलग रूपों से मिलवाने के लिए ही विश्व कला दिवस मनाया जाता है। लेकिन, जब हम कला दिवस की बात करते हैं तो यहां कला का अर्थ है पेंटिंग्स।

भीषण गर्मी में नहीं थम रहे आग लगने के मामले

अशोक भाटिया

प्रयागराज में आज भयंकर आग लग गई। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। गोदाम में रखे लाखों की बल्लियां, टेंट और फर्नीचर जल गए। आग बुझाने में मुख्य अग्निशमन अधिकारी समेत छह लोग आंशिक रूप से झुलस गए। भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आग की ऊँची ऊँची लपटे और काले धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा , इसमें भरी नुक्सान भी हुआ , टेंट , फर्नीचर , सब आग के चपेट में आने से तहस-नहस हो गया । वैसे आज की झुलसती गर्मी में यह आग लगना कोई नै बात नहीं थी । देश में प्रचंड गर्मी के बीच हर दूसरे दिन कहीं ना कही से आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आग लगने की यह समस्या इतनी विकराल है, इसका अंदाज इन घटनाओं को अलग-अलग देखने से पता नहीं चलता है। इसलिए हमनें सात राज्यों का ब्योरा एक जगह जमा किया है। ब्यौरा चौंकाने और डराने वाला है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब और देश की राजधानी दिल्ली में पिछले छह महीने में 38 हजार आग लगने की घटनाएं हुई हैं, आग की इन घटनाओं से बड़े पैमाने पर जान और माल का नुकसान हुआ है। जाहिर है हमारे सिस्टम में कहीं न कहीं कमी है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित बिंदु उत्पन्न होते हैं।पहला इमारतों के चारों ओर खुली जगह और क्षेत्र की संरचनाः आवासीय भवन और वाणिज्यिक दुकानों का हिस्सा पूरी तरह से अलग होना चाहिए। झुग्गियों में एक मंजिला या दो मंजिला झोपड़ियों में भूतल पर वाणिज्यिक दुकानें स्थापित की गई हैं और अधिकांश परिवार इस पर उप-मंजिल पर रहते हैं। जो लोग सामने की तरफ दुकानों और विभाजन के साथ पीछे रहते हैं, उनके पास दुकान के मुख्य द्वार के बिना बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। क्या नगर निगम प्रभारी का लाइसेंस विभाग सख्ती से जांच करने की भूमिका निभा रहा है? कई मामलों में, भूतल पर वाणिज्यिक दुकानें, पहली और दूसरी मंजिल पर वाहनों की पार्किंग और कार्यालयों/दुकानों को नगर निगम और फायर ब्रिगेड द्वारा लाइसेंस दिया जाता है। आवासीय भवन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और प्रबंधन की अनुमति देते समय, प्रत्येक भवन में विपरीत दिशा में दो अलग-अलग सीढ़ियां होना बहुत महत्वपूर्ण है। सुरक्षित स्थान पर जाना संभव होगा। साथ ही सामाजिक जागरूकता रखते हुए अनावश्यक रूप से भवन के खुले स्थान पर वाहन पार्क न करें तथा आसपास के क्षेत्र (6 मीटर) को पूर्णतः खुला रखा जाए ताकि अग्नि गाडियां दुर्घटना स्थल पर आसानी से एवं बिना किसी बाधा के पहुंचकर तुरंत आग एवं बचाव कार्य प्रारंभ कर सकें, जिससे जनहानि से बचा जा सके एवं क्षति को कम करने में सहायता मिले। यह तभी संभव है जब भवन के निवासी इस सामाजिक प्रतिबद्धता का सख्ती से पालन करें।

दूसरा भवन के इंटीरियर में बालकनी, गलियारे, लिफ्ट लॉबी और सीढ़ियांः ये खुले स्थान ज्यादातर सभी आवासीय और वाणिज्यिक भवनों में देखे जाते हैं कि प्रत्येक मंजिल पर आम गलियारा, मार्ग और लिफ्ट लॉबी यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि उस मंजिल के निवासियों को अपने घर की अतिरिक्त या बेकार वस्तुओं को स्टोर करने का अधिकार है।अगर किसी घर में आग लगती है, अगर आग घर के बाहर फैल जाती है तो गलियारा, पैसेज में रखा लकड़ी का सामान, चप्पल स्टैंड, असुविधाजनक फर्नीचर आदि रास्ते से आग फैलाने में मदद करते हैं।धातु के तारों या रस्सियों को मार्ग से बांधा जाता है और क्षेत्र का उपयोग कपड़े सुखाने के लिए किया जाता है। इन कपड़ों में छत या दीवार से गुजरने वाले बिजली के तार या केबल होते हैं जो मुख्य रूप से आग के प्रसार में योगदान देते हैं। हालांकि, मैं सभी निवासियों से अपील करना चाहूंगा कि वे अतिरिक्त घरेलू सामानों को गलियारों, मार्गों, लिफ्ट लॉबी और सीढ़ियों में रखकर बाधा न डालें।

तीसरा अग्निशमन प्रणाली और इमारतों में उनकी दक्षताः पिछले कुछ वर्षों में जमीन के समानांतर मुंबई का विकास पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले निवासियों को अपनी, अपने परिवार और अन्य लोगों की सुरक्षा और सुरक्षा के बारे में सामाजिक जागरूकता की कमी की कोई चिंता नहीं है। तो, क्या बहुमंजिला इमारतों के अंदर अग्नि सुरक्षा उपकरण ठीक से काम कर रहे हैं? क्या भवन के विद्युत नलिकाएं/शाफ्ट प्रत्येक मंजिल पर सील हैं या नहीं? फायर पंप काम कर रहे हैं या नहीं? इस बात में पूरी तरह से उदासीनता है कि प्रत्येक मंजिल पर हाइड्रेंट पॉइंट, होजेरिल, फायर अलार्म चालू हैं या नहीं। इसके पीछे के जोखिमों को गंभीरता से क्यों नहीं लेते हैं जब हम सोचते हैं कि इमारत की प्रत्येक मंजिल पर बिजली की नलिका घरेलू सामानों को स्टोर करने के लिए हर किसी की सही जगह है? गलियारे से प्रत्येक मंजिल पर सीढ़ी तक स्थापित आग प्रतिरोधी लकड़ी के दरवाजे अक्सर हटाए जाते हैं या उनकी स्वचालित समापन प्रणाली अव्यवस्था की स्थिति में होती है।

चौथा है छतों और शरण क्षेत्रोंः आजकल हाउसिंग सोसाइटियों के लिए खुली छतों और शरण क्षेत्रों का उपयोग सामुदायिक हॉल या हाउसिंग सोसाइटी के मनोरंजन केंद्रों के रूप में करने के लिए प्रथागत हो गया है। इमारत में आग जैसी दुर्घटनाओं के मामले में, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि छत और शरण क्षेत्र बिना किसी बाधा के पहुंचने के लिए खुला और सुरक्षित हो; लेकिन भवन के पदाधिकारी और कार्यकारी बोर्ड ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि उस स्थान पर कब्जा करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है और उनके दिलों को जरा भी इस भावना से नहीं छूते हैं कि उनका मूर्खतापूर्ण व्यवहार हर निवासी के जीवन को खतरे में डाल रहा है। अतः प्रत्येक नागरिक का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वह घर में पोर्टेबल अग्निशामक, स्मोक डिटेक्टर, स्प्रिंकलर स्थापित करने में सावधानी बरतें, जिस प्रकार अपनी प्रतिष्ठा प्रदर्शित करने के लिए आंतरिक सजावट और फर्नीचर पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। आग लगने की 90% घटनाएं इस शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं। इमारत में हर घर में आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते समय बिजली का भार कितना होता है? जो लोग खुद को शिक्षित और संभ्रांत मानते हैं, उन्हें दस साल में रिवायरिंग जैसी सरल चीजों के बारे में भी पता होना चाहिए। शहरी विकास विभाग और लोक निर्माण विभाग के समन्वय से हर 6 महीने में फ्यूचर ऑडिट और हर एक साल में इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराने के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। पेड़ गिरने, बाढ़ की स्थिति, लैंड स्खलन, हाउस कॉलप, लिफ्ट, मैनहोल के अलावापटाखों से होने वाले हादसों के लिए सरकारी मशीनरी कम पड़ जाती है। फायर ब्रिगेड अत्याधुनिक होती जा रही है, लेकिन उनके पास 90 मीटर ऊंचा लैंडर, 55 मीटर वॉटर टॉवर, रिमोट कंट्रोल रोबोट उपलब्ध है, जिसे संभालने के दौरान उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

टोल बिल्डिंग, कोस्टल रोड, फाइव, स्काई वॉक, मेट्रो आदि में रुचि रखने वाली प्रशासनिक एजेंसियों के लिए फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने वाली पुलिस के लिए अलग मार्ग उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। एल.पी.जी. गैस / गैसलाइन के साथ-साथ स्थायी अग्निशामक यंत्रों का सरकार द्वारा अनुमोदित लाइसेंसिंग एजेंसी द्वारा अक्सर निरीक्षण किया जाना चाहिए और उचित समय पर मरम्मत और निरीक्षण किया जाना चाहिए।

आज के युग में स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी और निजी प्रबंधन में अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधन प्रशिक्षण को कानून द्वारा सभी के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुर्घटना के समय निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रशासनिक एजेंसियों और चुनी हुई सरकार की एक-दूसरे पर कीचड़ उछालकर अपनी जिम्मेदारी से भागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा ताकि यह स्वार्थ, समाज और देश की प्रगति में योगदान दे।

भीख मांगकर देश चला रहे पाकिस्तानी भारत से नफरत नहीं उससे बराबरी करें

-अजय कुमार

1947 में पाकिस्तान की बुनियाद हिन्दुओं से नफरत के कारण पड़ी थी। आज करीब 77 वर्षो के बाद भी पाकिस्तान हिन्दुओं के प्रति ऐसा ही रवैया लेकर आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान में जितने भी प्रधानमंत्री या सेना प्रमुख हुए वह भारत के खिलाफ हमेशा जहर उगलते और आतंकवादियों को संरक्षण देते रहें। आज भी यह सिलसिला जारी है। इसी परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए पाक की फौजी हुकूमत एक बार फिर पुराना राग अलाप रही है। इस्लामाबाद में हाल ही में हुए प्रवासी पाकिस्तानियों के सम्मेलन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कश्मीर के मुद्दे पर उकसाने वाले बयान दिए, जिनसे न केवल क्षेत्रीय शांति को नुकसान हुआ है, बल्कि यह भी साफ हो गया कि पाकिस्तान की सत्ता संरचना अब भी नफरत और विघटन की राजनीति को अपनी ताकत मानती है। मौजूदा जनरल मुनीर का हाल ही में दिया गया बयान, जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया,ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पाकिस्तान की सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। यही सब पिछले कई दशकों से पाकिस्तान की फौजी हुकूमत द्वारा लगातार दोहराया जाता रहा है। पाकिस्तान के जनरल यह हमेशा कहते रहे हैं कि कश्मीर पाकिस्तान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसे कभी भी पाकिस्तान से अलग नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन क्या इस विचारधारा ने पाकिस्तान को किसी प्रकार का लाभ पहुंचाया है? पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है, आतंकवाद की पोषक छवि बन चुकी है और वैश्विक मंच पर वह अलग-थलग पड़ा हुआ है।

पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। इन्हीं हरकतों के कारण वह आर्थिक रूप से कमजोर होता जा रहा है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार 2025 के शुरूआती महीनों में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार महज 3.1 अरब डॉलर था, जो मुश्किल से कुछ हफ्तों का आयात खर्च चला सकता है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के पार जा चुकी है, बेरोजगारी करीब नौ प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और जनता राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता से त्रस्त है। ऐसे में पाकिस्तान की फौजी हुकूमत का इस प्रकार का उकसावे भरा बयान यह दशार्ता है कि पाकिस्तान के पास अब कोई दूसरा उपाय नहीं बचा है, सिवाय इसके कि वह अपने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पुराने और साम्प्रदायिक मुद्दों को उछाले।

बलूचिस्तान में अलगाववाद की लपटें तेज होती जा रही हैं, और वहां के लोग पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ खुलेआम विद्रोह कर रहे हैं। बलूच विद्रोहियों ने हाल ही में पाकिस्तानी सेना के कई ठिकानों पर हमले किए हैं, जिससे पाकिस्तान के भीतर की अस्थिरता को और भी बढ़ावा मिला है। जनरल मुनीर का यह कहना कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का अभिमान है और कोई इसे नहीं छीन सकता, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उन्हें बलूचिस्तान की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता है। पाकिस्तान के भीतर के लोग यह सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक कश्मीर के नाम पर उन्हें गुमराह किया जाएगा, जब उनके घरों में रोटियां पकने की स्थिति नहीं है? यह सवाल पाकिस्तान की युवा पीढ़ी में और सोशल मीडिया पर गहराई से उठ रहा है, जहां सेना की आलोचना अब आम बात हो गई है। कई लोग खुलकर कह रहे हैं कि भारत के साथ फिर से मिल जाना ही बेहतर होता, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान में अब लोग अपनी असल समस्याओं के बारे में गंभीर हो रहे हैं।

जनरल मुनीर ने अपने भाषण में विदेशों में बसे पाकिस्तानियों से अपील की कि वे अपने बच्चों को यह सिखाएं कि पाकिस्तान क्यों बना और हिंदू और मुसलमान कभी एक जैसे नहीं हो सकते। उनका यह बयान पाकिस्तान की संस्कृति और पहचान को हिंदुओं से श्रेष्ठ बताने वाला था, जबकि आज की वैश्विक दुनिया में यह सोच पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुकी है। टू नेशन थ्योरी, जिसकी नींव पर पाकिस्तान बना था, वह 1971 में ही धराशायी हो गई थी, जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान से अलग होकर अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह विभाजन यह साबित करता है कि धर्म के आधार पर बनी राष्ट्र की अवधारणा टिकाऊ नहीं हो सकती, और पाकिस्तान की असफलता इस सिद्धांत का प्रमाण बन चुकी है।

आज बलूच, सिंधी और पख्तून समुदाय भी अपनी अस्मिता की लड़ाई लड़ रहे हैं, और यही पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जनरल मुनीर को यह डर सता रहा है कि अगर उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ नफरत का एजेंडा नहीं चलाया, तो पाकिस्तान की नई पीढ़ी उनसे सवाल पूछेगी। इसलिए वह कमजोर और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को एक बार फिर दुश्मन के तौर पर पेश कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान में बचे-खुचे हिंदू समुदाय की स्थिति बेहद दयनीय है। 1947 में पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 23 प्रतिशत थी, जो आज घटकर महज 3 प्रतिशत रह गई है। या तो वे पलायन कर गए, मारे गए, या फिर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर कर दिए गए। फिर भी, जनरल मुनीर को इनसे डर क्यों लगता है? क्योंकि वह जानते हैं कि यदि नफरत का यह माहौल समाप्त हो गया, तो पाकिस्तान के सत्ता ढांचे की बुनियाद हिल जाएगी।

पाकिस्तान की मशहूर सीरीज जिंदगी गुलजार है में भी यह दिखाया गया था कि पाकिस्तान में हिंदुओं को किस प्रकार हाशिए पर रखा जाता है, और यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति बहुत खराब है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब अल्पसंख्यक समुदाय पहले से ही इतना शोषित है, तो उनके खिलाफ नफरत फैलाने की आवश्यकता क्यों महसूस की जा रही है? अंतरराष्ट्रीय पत्रकार और न्यूयॉर्क टाइम्स के लेखक ताहा सिद्दीकी ने एक्स पर लिखा था कि जनरल असीम मुनीर बच्चों के दिमाग में जहरीली सोच भरना चाहते हैं ताकि उनका ब्रेनवॉश किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुनीर दो राष्ट्र सिद्धांत का प्रचार कर रहे हैं, जो 1971 में ही असफल हो चुका था। यह बयान यह दशार्ता है कि जनरल मुनीर पाकिस्तान के भीतर की अस्थिरता और विघटन को लेकर बेहद चिंतित हैं। परवेज मुशर्रफ, जिन्होंने कारगिल युद्ध छेड़कर भारत से सीधा टकराव किया था, उन्होंने भी कश्मीर को हथियाने के लिए हर संभव प्रयास किया था। उन्होंने आतंकवाद को राज्य नीति का हिस्सा बनाया और भारत में कई आतंकवादी हमले कराए थे। अब जनरल मुनीर भी वही भाषा बोल रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान फिर से वही आत्मघाती रास्ता अपनाना चाहता है? पाकिस्तान अब कमजोर है, लेकिन उसकी सेना और खुफिया एजेंसियां अभी भी आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करती रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में हालिया समय में आतंकवादी गतिविधियों में थोड़ी कमी आई है, लेकिन यह मानना भूल होगी कि खतरा पूरी तरह से टल गया है। भारत को पाकिस्तान की असलियत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करते रहना चाहिए। साथ ही, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर को भी भारत में पुनः शामिल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास तेज किए जाने चाहिए। भारत को दुनिया को यह दिखाना होगा कि वह शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं की रक्षा भी जानता है। जहां तक पाकिस्तान की बात है,वह 77 साल तक भारत से दुश्मनी का नतीजा देख चुका है,अच्छा होगा कि पाकिस्तान,भारत से लड़ने झगड़ने की बजाये उसके विकास कार्यो से बराबरी करे।

आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी?

भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता!

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, 'हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए

लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या 'कानून से परे एक श्रेणी' को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का 'सुरक्षा कवच' नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए।

इसलिए यहां पर सवाल उठता है कि आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी? मेरा स्पष्ट मानना है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राप्त भारी जनसमर्थन का रणनीतिक दुरूपयोग किया, जिससे न्यायपालिका को विधायिका को दुरुस्त करने का मौका मिल गया, जो अनुचित नहीं है। किसी भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि को वोट बैंक के लिहाज से जनविरोधी या राष्ट्र विरोधी फैसले लिए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। ऐसे में मजबूत व स्वतंत्र न्यायपालिका जरूरी है। लेकिन भ्रष्ट न्यायपालिका कतई नहीं! देश में फैला न्यायिक भ्रष्टाचार हमारी विधायिका की लगभग 8 दशकों की बड़ी लापरवाही है। वहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार में भी विधायिका का परोक्ष रूप से हिस्सेदार बन जाने की प्रवृत्ति भी अस्वीकार्य है। सारे टकराव की वजह भी यही भ्रष्ट और अनैतिक आचरण है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संविधान से नौंवी अनुसूची को हटाकर उसमें शामिल किए गए सभी विषयों की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक मनमानी रूके। वहीं, भारतीय प्रशासन को भी जनहित के प्रति जिम्मेदार बनाए जाने की जरूरत है, अन्यथा उनकी लापरवाहियों के लिए स्पष्ट सजा व जुमार्ना का प्रावधान हो, ताकि वो पॉलिटिकल एजेंट की तरह काम करने से बाज आएं। कहना न होगा कि देश में जारी राजनीतिक व प्रशासनिक पक्षपात के चलते ही देश में न्यायपालिका को सब पर भारी पड़ने का मौका मिल गया। विभिन राज्यों में राष्ट्रपति शासन का दुरूपयोग, आरक्षण से जुड़े अभिजात्य वर्गों के हितों को अनैतिक संरक्षण, राष्ट्रपति दया याचिका का राजनीतिक प्रयोग तो महज बानगी हैं, जबकि ऐसे कई उदाहरण हैं जहां संसद ने बहुमत से अल्पमत को कुचला है और देशवासी पददलित हुए हैं। हालांकि, संविधान की नौंवीं अनुसूची के चलते वह भी कई विवादास्पद विषयों पर असहाय नजर आई। इसलिए वक्त का तकाजा है कि सबके व्यक्तिगत विशेषाधिकारों को खत्म कर आम आदमी के प्रति उन्हें जिम्मेदार बनाया जाये। यह काम लोकतांत्रिक दबाव समूह ही कर सकते हैं, क्योंकि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने पेशेवर विशेषाधिकार को आसानी से छोड़ेंगे, ऐसा मुझे नहीं लगता!

- कमलेश पांडेय

प्रोफेसर अरुण कुमार मिश्र समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव ने रठऊळ यूनिवर्सिटी से संबद्ध श्री एम डी शाह महिला कॉलेज मलाड, मुंबई से सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ अरुण कुमार मिश्र को शिक्षा निगरानी एवं सलाहकार समिति का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रोफेसर मिश्रा अनेक वर्षों से सामाजिक और राजनैतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संघ के राष्ट्रीय महासचिव एड. रक्षपाल सिंह ने यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव के निर्देश पर किया है। प्रोफेसर मिश्रा ने कहा है कि वे दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरे मनोयोग के साथ करेंगे। प्रोफेसर मिश्रा को नई जिम्मेदारी मिलने पर शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता आयेगी ऐसा संघ और संघ के पदाधिकारियों व समाज के बौद्धिक जनों ने विश्वास जताया है। भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता रवि मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उपरोक्त जानकारी दी है।

पालघर पुलिस अधीक्षक के सुपुत्र रूद्रांक्ष पाटील को मिला शिवछत्रपती राज्य खेल पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील के सुपुत्र रूद्रांक्ष बालासाहेब पाटील को शूटिंग (नेमबाजी) खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाराष्ट्र का सर्वोच्च प्रतिष्ठित ₹शिवछत्रपती राज्य क्रीड़ा पुरस्कार₹ प्रदान किया गया है। यह सम्मान पुणे में आयोजित भव्य समारोह में महामहिम राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व अन्य मान्यवरों की उपस्थिति में प्रदान किया गया। रूद्रांक्ष की ओर से यह पुरस्कार उनके पिता, पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने स्वीकार किया। यह उपलब्धि न केवल पालघर जिले के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे महाराष्ट्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा है। पालघर पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील के सुपुत्र रूद्रांक्ष पाटील को इस शानदार सम्मान के लिए पालघर जिले तमाम शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं व उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं प्रेषित की हैं।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने बोईसर में दो नि:शुल्क शीतल जल सेवा केंद्रों का किया उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी संगठन राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपनी सेवा परंपरा को निभाते हुए दो निःशुल्क शीतल जल सेवा केंद्रों का शुभारंभ किया गया। ये प्याऊ केंद्र रुपरजत पार्क बेटेगांव और मधुर होटल, बोईसर के सामने स्थापित किए गए हैं।

बतादें कि राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की ओर से पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी राहगीरों, स्कूली बच्चों, रिक्शा चालकों, दुकानदारों एवं आम नागरिकों के लिए शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह कार्य राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के पालघर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेदाडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह में श्रीपाद तलवरकर, अशोक श्रीवास्तव, महावीर सोलंकी और राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बच्चन शुक्ला बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने नारियल फोड़कर और फीता काटकर सेवा केंद्रों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली, प्रदेश उपाध्यक्ष शिव शंकर तिवारी तथा उनकी टीम के प्रमुख सदस्य रोहित सिंह, सुरेश जोशी, अजय यादव, दिवाकर पांडेय, नीरज पांडेय, विशाल शेखावत, दुर्गेश सिंह, आशुतोष पांडेय समेत महिला सदस्यों में पुष्पा तिवारी, मीना बोरसे, सुनीता सकपाल, सरिता तिवारी, पिंकी सिंह, चांदनी सिंह, काजल शर्मा, साधना शर्मा, सिमरन लोहार, प्रीति विश्वकर्मा, सुनीता पासी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रदेश अध्यक्ष ललित माली ने उपस्थित सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ₹राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ₹ पिछले कई वर्षों से समाजसेवा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक कार्यक्रमों में निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य कर रहा है और यह आगे भी जारी रहेगा।

जगदीश राजपूत के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रक्तदान महादान की भावना को साकार करते हुए पालघर जिले के डहाणू स्थित रामवाडी में शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 को भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर नगरसेवक एवं भाजपा पालघर जिला उपाध्यक्ष जगदीश राजपूत के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मानवता की मिसाल पेश की। शिविर में 100 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह आयोजन भारतीय जनता पार्टी पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में

संपन्न हुआ। रक्त संग्रहण का कार्य 'साथिया एजुकेशन सोसायटी एंड चैरिटेबल ट्रस्ट' के अंतर्गत संचालित 'स्मट. देवकाबाई कल्याणजी छेड़ा ब्लड सेंटर' द्वारा किया गया, जो आरबीटीसी द्वारा मान्यता प्राप्त ब्लड बैंक है। इस अवसर पर वक्ताओं ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे ₹जीवनदान₹ का सबसे सरल और श्रेष्ठ माध्यम बताया।

उन्होंने आम नागरिकों से समय-समय पर रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील भी की। इस आयोजन में भाजपा के पालघर जिला उपाध्यक्ष पंकज कोरे, जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, जिला युवा अध्यक्ष नंदन वर्तक, बोईसर मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोने, डहाणू मंडल अध्यक्ष देवानंद शिंगडे, कृषि उत्पन्न बाजार समिति डहाणू सभापति अमित चौबे, सोशल मीडिया प्रमुख अमुल महाजन व पालघर शहर युवा अध्यक्ष विकास सिंह समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे। नगरसेवक जगदीश राजपूत ने इस सफल आयोजन के लिए सभी रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, ₹इस तरह के आयोजन न केवल जरूरतमंदों की मदद करते हैं, बल्कि समाज में सेवा और जागरूकता की भावना को भी प्रबल करते हैं।

जेटकिंग कम्प्यूटर क्लासेज के ऋषिकेश पाण्डेय से उत्तरशक्ति के संपादक ने की औपचारिक मुलाकात

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई पश्चिम के समाजसेवी आयटी सेल के संयोजक भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा व जेटकिंग कम्प्यूटर क्लासेज के वसई ब्रांच के संचालक ऋषिकेश पांडे से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने शैक्षणिक संस्थान पर जाकर औपचारिक मुलाकात की। ऋषिकेश पाण्डेय ने महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज की छाया चित्र भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया। बता दें ऋषिकेश पांडे शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ साथ समाज सेवा में भी रुचि रखते हैं। अपने शिक्षण संस्थान से कई होनहार विद्यार्थियों का जीवन सफल बनाया है। उनके साथ मिलकर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के विस्तार को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र को मदत करने का आश्वासन भी दिया है।

कृष्णा कदम को कोंकण रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

मुंबई। कदम कृष्णा वैद्यकीय मदत कक्ष के संस्थापक कृष्णा मारुति कदम को मुलुंड पूर्व में छत्रपति राजे संभाजी सांस्कृतिक भवन के खुले मैदान में कोंकण विकास समिति द्वारा आयोजित कोंकण विकास महोत्सव में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस द्वारा कोंकण रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कोंकण विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष जयवंत शंकरराव दरेकर की ओर से एक पत्र के माध्यम से कृष्णा कदम को पुरस्कार के संबंध में विशेष निमंत्रण दिया गया है। बता दें कि कोंकण विकास समिति द्वारा 23 अप्रैल, 2025 को कोंकण विकास महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी शामिल होंगे। इस महोत्सव के दौरान कोंकण के चयनित व्यक्तियों को कोंकण रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। समिति ने बताया कि रायगढ़ जिले के ओम्बली गांव के मूल निवासी और मुंबई के कृष्णा मारुति कदम (के.के.) को कोंकण रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

कृष्णा कदम वैद्यकीय मदत कक्ष की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को देखभाल प्रदान कर रहा है। कोरोना महामारी के बाद, कदम एक सामाजिक संगठन बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को मुंबई के विभिन्न अस्पतालों में समय पर इलाज मिले। इसने हजारों से अधिक विकलांग लोगों को कृत्रिम अंगों के साथ खड़े होने में भी मदद की है। कदम कृष्णा मेडिकल एड सेल की ओर से यह संगठन आदिवासी क्षेत्रों में जरूरतमंद और गरीब छात्रों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए भी काम कर रहा है।

पारधी समुदाय का पुनर्वास करने के लिए राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक शिष्टमंडल ने दिया ज्ञापन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आजादी के बाद से आज तक भी पारधी समुदाय यायावर जीवनी जी रहा है। रोजगार और शिक्षा की कमी के कारण यह समुदाय प्रगति नहीं कर रहा है। ऐसे में राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पारधी महासंघ के मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष पवार को इस समाज के पुनर्वास और मुंबई या ठाणे में उनके लिए एक आश्रम स्कूल बनाने का आश्वासन दिया है। जिसके कारण पारधी समाज द्वारा एकनाथ शिंदे की प्रशंसा की जा रही है।

बता दें कि पारधी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष पवार के

नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके मुक्तागिरी बंगले पर मुलाकात कर विभिन्न मांगों के लिए ज्ञापन सौंपा। संतोष पवार ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि पारधी समुदाय के पास घरों की कमी के कारण उन्हें मुंबई , नवी मुंबई में फुटपाथों और पुलों के नीचे रहना पड़ रहा है, इसलिए यदि इस समुदाय का पुनर्वास किया जाता है, तो वे अपने प्रगति की दिशा की ओर अग्रसर होंगे। इस अवसर पर पारधी समाज को मूलभूत नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष निधि का प्रावधान किए जाने की मांग की गई। इसके अलावा शिक्षा के लिए आर्थिक मदद की मांग की गई। साथ साथ मुंबई, नवी मुंबई थाने और घणसोली में पारधी के पुनर्वास की मांग की गई।नगर विकास एवं आवास विभाग संभालने वाले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आश्वासन के कारण पारधी समाज में खुशी का माहौल है।

भाजपा नेता तुलसीराम केवट ने जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ से की शिष्टाचार भेंट

पालघर(उत्तरशक्ति)। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं ठाणे जिला सह प्रभारी तुलसीराम केवट ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ पालघर जिले की नवनियुक्त जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें जिले के समग्र विकास व सामाजिक समरसता पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर भाजपा नेता तुलसीराम केवट ने जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ को भगवान श्रीराम जी की प्रतिमा भी भेंट किया। तुलसीराम केवट जो कि केवट

सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष हैं, साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर व शीतला माता मंदिर के भी संस्थापक अध्यक्ष हैं, उन्होंने जिलाधिकारी को बधाई देते हुए भविष्य में सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उनके साथ शिव कुमार गुप्ता, बृजलाल सरोज, राजीव यादव, राजीव रंजन सिंह, सूर्य नारायण चौधरी, आनंद, शिवाजी कदम, आनंद परंडवाल, संजय बावरे, राम सिंह व संजय मास्टर उपस्थित रहे।

आर्या ओम्नीटॉक का आधुनिक टोल प्रबंधन समाधान

मुंबई। टोल संग्रहण की पारंपरिक प्रणाली अब इतिहास बन चुकी है। इसी क्रम में, बुद्धिमान यातायात और टोल प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी आर्या ओम्निटॉक ने अत्याधुनिक एआई-संचालित तकनीक की मदद से टोलिंग में एक नया युग शुरू किया है। आर्या की यह प्रणाली तेज, सुरक्षित और अधिक प्रभावी टोल संग्रहण सुनिश्चित करती है। विशेष रूप से भारी यातायात वाले राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और दूरस्थ टोल प्लाजाओं पर आर्या ओम्निटॉक की मजबूत, टिकाऊ और स्केलेबल प्रणाली निर्बाध सेवा प्रदान करती है। यह प्रणाली भीड़ को कम करती है और यातायात को सुचारू रूप से बनाए रखती है। जरूरत पड़ने पर, यह २०० % से अधिक क्षमता पर कार्य कर सकती है, जिससे अधिक राजस्व प्राप्ति और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होते हैं। आर्या ओम्निटॉक की अत्याधुनिक टोल प्रबंधन प्रणाली के कारण राजमार्गों पर टोल संग्रहण अधिक तेज, सुरक्षित और प्रभावी हो रहा है। यह प्रणाली स्वचालन, रियल-टाइम डेटा एनालिटिक्स और सरकारी नियमों के पालन पर जोर देते हुए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल नेटवर्क से आसानी से जुड़ जाती है। इससे सड़क प्रबंधन अधिक सरल हो जाता है और यात्रियों की यात्रा आरामदायक बनती है। यह प्रणाली फास्टैग-आधारित कैशलेस टोलिंग पर कार्य करती है, जिससे यात्रियों को टोल बूथ पर कम समय व्यतीत करना पड़ता है और प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती। परिणामस्वरूप, यातायात सुचारू रूप से चलता है। इसकी पूर्ण स्वचालित टोल प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) रियल-टाइम लेनदेन प्रसंस्करण, राजस्व नियंत्रण और धोखाधड़ी रोकथाम को सुनिश्चित करती है। इससे टोल संग्रहण अत्यधिक सटीक और पारदर्शी बनता है तथा राजस्व में किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती। आर्या ओम्निटॉक के एचटीएमएस विभाग के सीओओ अनुरेश शर्मा ने कहा, ₹हम तकनीक की मदद से टोल संग्रहण को अधिक स्मार्ट और प्रभावी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे न केवल राजस्व में वृद्धि होती है, बल्कि यात्रियों को भी उत्कृष्ट अनुभव मिलता है। हमारी एआई-सक्षम स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली (एएनपीआर) और वाहन वर्गीकरण प्रणाली (एवीसी) के माध्यम से टोल संग्रहण अत्यधिक सटीक होता है। वहीं, हमारा वेट-इन-मोशन (डब्ल्यूआईएम) तकनीक वाहनों के ओवरलोडिंग नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने में मदद करता है।

सुधीर अत्तावर की फिल्म कोरगज्जा पर संगीतकार गोपी सुंदर बोले इसने मुझे एक नया संगीत जॉनर गढ़ने का अवसर दिया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साउथ के मशहूर संगीतकार गोपी सुंदर ने निर्देशक सुधीर अत्तावर की आगामी फिल्म कोरगज्जा को एक अनोखा संगीत अनुभव करार देते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें एक बिल्कुल नया संगीत जॉनर गढ़ने का अवसर दिया। गोपी सुंदर ने कहा, कोरगज्जा की विषयवस्तु इतनी गहरी और आध्यात्मिक है कि इसे संगीत में ढालना मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक रहा। मुझे कर्नाटक के तुलु नाडु क्षेत्र की परंपराओं और सांस्कृतिक गहराई को समझना पड़ा, और उन्हीं से प्रेरणा लेकर धुनों की रचना की। निर्देशक को मेरा काम पसंद आया, यह मेरे लिए सम्मान की बात है। फिल्म में कुल 6 गीत हैं, जिन्हें विभिन्न शैलियों और भाषाओं में संगीतबद्ध किया गया है। गीतों के बोल खुद निर्देशक सुधीर अत्तावर ने लिखे हैं। संगीत की एक खास बात यह है कि इसमें शिव तांडव के श्लोकों को आधुनिक संगीत के साथ मिलाकर एक विशेष ट्रैक तैयार किया गया है, जिसे शंकर महादेवन ने गाया है।

फिल्म के साउंडट्रैक में श्रेया

घोषाल, सुनिधि चौहान, शंकर महादेवन, जावेद अली, स्वरूप खान और अरमान मलिक जैसे नामी गायकों की आवाजें शामिल हैं। कई बड़े गायकों ने स्वयं गोपी सुंदर से संपर्क कर उनके संगीत की सराहना की और इस नई शैली में काम करने की इच्छा भी जताई।

गोपी सुंदर ने निर्देशक सुधीर अत्तावर की शोध-कार्य की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इस कथा की आत्मा को जिस तरह उकेरा है, वह आज के सिनेमा के दायरे से कहीं आगे है। निर्देशक सुधीर अत्तावर ने स्पष्ट किया कि कोरगज्जा की कहानी फिल्म कांतारा से पूरी तरह अलग है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक और केरल क्षेत्र में लगभग 5000 देवों की पूजा होती है, जबकि कांतारा में केवल एक देवता को दशार्या गया था। इस विषय पर शोध में उन्हें कार्यकारी निमार्ता विद्याधर शेट्टी का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

कोरगज्जा, त्रिविक्रम सिनेमा और सक्सेस फिल्म्स के बैनर तले बनी है। यह करावली क्षेत्र (तुलु नाडु) के पूज्य देवता कोरगज्जा पर आधारित है, जिसमें 800 साल पहले एक आदिवासी युवक के कोरगज्जा रूप में रूपांतरण की गूढ़ और आध्यात्मिक यात्रा को दिखाया गया है।

फिल्म के कलाकारों में कबीर बेदी, कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर, गणेश आचार्य, और साउथ के कलाकार भाव्या, श्रुति आदि शामिल हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सोनभद्र में शादी की खुशियाँ बदली मातम में, बरात में जाते वक्त एक ही गांव में हुई चार मौतें

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीती रात एक दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। यह हादसा पटवध स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास रात करीब 9 बजे हुआ।जानकारी के अनुसार, बेलछ गांव से तीन युवक एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कोटा जा रहे थे। इसी दौरान पटवध नायरा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को तेज टक्कर मार दी, जिससे तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों की पहचान लक्ष्मण गोंड (20) पुत्र विश्वनाथ, छोटू गोंड (15) पुत्र महेंद्र और चंद्रशेखर गोंड (16) पुत्र लल्लू गोंड के रूप में हुई है। तीनों निवासी ग्राम सभा बेलछ के थे। सूचना मिलते ही चोपन पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

बरसात के पहले ही सभी नालों की सफाई एवं गर्मी में पेयजल की व्यवस्था जल्द पूर्ण करने के निर्देश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में महापौर अशोक कुमार तिवारी एवं नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के द्वारा आज स्मार्ट सिटी के सभागार में नगर निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। महापौर के द्वारा मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि नगर के सभी नाले नालियों का सफाई का का कार्य तीव्र गति से कराते हुये बरसात के पूर्व पूर्ण करायें। महापौर के द्वारा आगामी पड़ने वाली गर्मी को ध्यान में रखते हुये महाप्रबन्ध्साक जलकल को निर्देशित किया गया कि सभी ट्यूबवेल, पम्पिंग स्टेशन को दुरूस्त कराते हुये क्रियाशील करा लें, जिससे पेयजल का संकट उत्पन्न न होने पाये, उक्त के अतिरिक्त सभी प्रमुख चौराहों एवं स्थानों पर प्याउ एवं वाटर कूलर की व्यवस्था कराने के निर्देश दिये गये। महापौर के द्वारा सभी कुओं तालाबों के जिर्णोद्धार शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। महापौर के द्वारा सी०एम० ग्रिड योजना के अन्तर्गत चर रहे कार्यों की सुस्त रफ्तार पर नाराजगी व्यक्त करते हुये समयान्तर्गत कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।नगर आयुक्त के द्वारा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी से वित्तीय वर्ष 2025 26 में गृहकर, जलकर, सीवरकर की वसूली एकीकृत बिलिंग के माध्यम से शत प्रतिशत कराने के निर्देश दिये गये, नगर आयुक्त द्वारा सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जी०आई०एस० में छूटे भवनों एवं ग्रुप हाउसिंग में बने आवासों को चिन्हांकन कर कर के दायरे में एक माह में पूर्ण करायें। महापौर के द्वारा इस वर्ष 20 हजार वृक्ष लगाये जाने का लक्ष्य निधारित किया गया, जिसमें नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लक्ष्य निर्धारित करते हुये वृक्ष लगाने एवं उसकी देख रेख का निर्देश दिये गया। महापौर के द्वारा बैठक में निर्देशित किया गया कि विद्युत विभाग के द्वारा नगर में जहाँ तहाँ सड़कें बिना अनुमति के खोद दी जा रही है, इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि सभीस्थानों को चिन्हित करते हुये विद्युत विभाग से रोड कटिंग चार्ज वसूल किया जाय तथा पूवार्नुमति के सड़कों को न खोदा जाय। उक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित निर्देश दिये गये।नगर निगम के मुकदमों की प्रभावी पैरवी कर निस्तारित कराया जाय। सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश, सड़क निर्माण व मरम्मत मानक के अनुरूप न होनें पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुये तत्काल कार्य में सुधार लाये जाने के निर्देश दिये गये। आवारा पशुओं को पकड़ने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाय। कूड़ा उठान की निगरानी बास्कोड के माध्यम से किया जाय तथा पउसकी सूचना से प्रतिदिन अवगत कराया जाय। नगर निगम के 18 वार्डों की डी०पी०आर० पूर्ण न होने पर जल निगम के उपर नाराजगी व्यक्त करते हुये तत्काल कारर्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। बैठक में नगर आयसुक्त अक्षत वर्मा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, विनोद कुमार गुप्ता, मुख्य अभियन्ता मोइनुद्दीन, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव, महाप्रबन्धक जलकल अनूप सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी राकेश कुमार सोनकर, प्रोग्रामर दिनेश दूबेइत्यादि आँधिकारी उपस्थित थे।

इरफान राणा को बनाया गया भारतीय किसान यूनियन आजाद का युवा मंडल अध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के रहने वाले शाहगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी युवा नेता नौजवानों में अच्छी पकड़ रखने वाले मो इरफान राणा को भारतीय किसान यूनियन आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा इंजीनियर शादाब चौधरी ने राणा की नियुक्ति भारतीय किसान यूनियन आजाद युवा का उत्तर प्रदेश मंडल का युवा अध्यक्ष बनाया। और उनके मनोनयन पर चौधरी ने राणा को बधाई मुबारकबाद दी और युवाओं को भारतीय किसान यूनियन आजाद से जोड़ने को कहा ताकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में संगठन को ताखत बल मिल सकें। राणा को भारतीय किसान यूनियन आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नितिन बालियान ने शुभकामनाएं दी और कहां की राणा के संगठन से जुड़ने से खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारतीय किसान यूनियन आजाद को मजबूती मिलेगी साथ ही साथ किसान भाइयों को युवा तुर्क का साथ भी ताकि सरकार से किसान भाइयों के हक में आवाज बुलंद हो सके।राणा के मनोनयन से उनके क्षेत्र में खुशी बधाई देने वाले का उनके आवास पर ताता लगा हुआ है साथ ही सैकड़ों किसान ने भी इरफान राणा को बधाई दी और उनके साथ कांधे से कांधा मिला करके चलने का आश्वाशन भी दिया।

मड़ियाहूँ सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा की गयी सुनवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तथा पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ की उपस्थिति में तहसील मड़ियाहूँ के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रकरणों/शिकायतों को अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के प्रति सरकार बेहद संवेदनशील हैं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न किया जाये।मड़ियाहूँ तहसील में विभिन्न संदर्भों से संबंधित कुल 112 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से 18 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्तान्तरित करते हुए तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार यह सुनिश्चित कराया जाय कि पीडितों को त्वरित न्याय मिल सकें।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं कुणाल गौरव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, एसीएमओ, सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुलिस टीम ने दहेज हत्या से सम्बन्धित तीन वांछित आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के कुशल पर्यवेक्षण में प्र0नि0 खुटहन मुन्नाराम धुसिया द्वारा मय हमराही कर्मचारी गण की सहायता से मु0अ0सं0-115/2025 धारा-85,80(2) बी0एन0एस0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट थाना खुटहन जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 03 वांछित अभियुक्तगण 1. भवानी प्रसाद शर्मा पुत्र स्व0 राजबली उम्र लगभग 56 वर्ष 2.अभिषेक शर्मा पुत्र भवानी प्रसाद शर्मा उम्र लगभग 30 वर्ष 3. शैलेश शर्मा पुत्र भवानी प्रसाद शर्मा उम्र लगभग 27 वर्ष निवासीगण ग्राम पिलकिछा थाना खुटहन जनपद जौनपुर को आज दिनांक 19.04.2025 को समय सुबह करीब 6.00 बजे पिलकिछा तिराहे से गिरफ्तार कर आरोपीगण उपरोक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए संबंधित न्यायालय भेजा गया।

परीक्षा व पर्व को लेकर जौनपुर में लगा धारा 163

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला मजिस्ट्रेट डा0 दिनेश चन्द्र ने अवगत कराया है कि जनपद में आयोजित विभिन्न परीक्षाओं तथा आगामी पर्व 21 अप्रैल 2025 को ईस्टर मन्डे, 29 अप्रैल 2025 को बुद्व पुर्णिमा और ईदुज्जुहा (बकरीद) को शान्तिमय वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत असामाजिक एवं अवांछनीय तत्वों की गतिविधियों एवं उनके कार्यकलापों से शान्तिभंग होने की सम्भावना उत्पन्न हो सकती है। जिसके दृष्टिगत जनपद जौनपुर की सीमा के अर्न्तगत लोक प्रशान्ति एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा की धारा 163 के अर्न्तगत निषेधाज्ञा जारी किया गया है।

पिस्टल की मुठिया और लाठी-डंडों से युवक को किया गंभीर, पीड़ित की पत्नी ने सीपी से लगाई गुहार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना कैंट क्षेत्र अंतर्गत नदेसर इलाके में बीती 16 अप्रैल की रात एक सनसनीखेज हमले का मामला सामने आया है। जिसमें दिनेश विश्वकर्मा उर्फ गोलू को पिस्टल की मुठिया और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। हमले में घायल दिनेश को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।घटना को लेकर पीड़ित की पत्नी निकिता विश्वकर्मा ने शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की, जहां सीपी के आदेश पर कैंट थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। निकिता ने बताया कि हमले की साजिश में जितेंद्र कुमार विश्वकर्मा उर्फ बीज्जू, अभिषेक विश्वकर्मा उर्फ बच्चा, रूपी गुप्ता, शेखर विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, आशीष जायसवाल और बॉबी गुप्ता जैसे लोग शामिल हैं। निकिता का आरोप है कि जब घटना के बाद तत्काल पुलिस सहायता के लिए थाना कैंट और नदेसर चौकी से संपर्क किया गया, तो किसी तरह की कोई सहायता नहीं मिली। इसके बाद जब वह पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचीं, तब जाकर एफआईआर दर्ज की गई। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि एफआईआर में गंभीर धाराओं की बजाय हल्की धाराएं लगाकर मामला कमजोर कर दिया गया। निकिता का आरोप है कि मुख्य आरोपी जितेंद्र विश्वकर्मा उर्फ बीज्जू रेलवे में सरकारी नौकरी करते हुए भी अपराध और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय है। वह कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हुआ बताया गया है और अपने राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख के बल पर थाना कैंट और नदेसर चौकी को मैनेज कर चुका है। निकिता ने यह भी आरोप लगाया कि जितेंद्र और उसका गिरोह लगातार उन्हें और उनके परिवार को मुकदमा वापस लेने की धमकी दे रहे हैं।

ट्रेन में भी नहीं सुरक्षित है महिला, पर्स छीन आभूषण व नकदी लेकर रफूचक्कर

पर्स लेकर काशी स्टेशन के आउटर पर कूदा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आदमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत काशी रेलवे स्टेशन के पास एक महिला से चलती ट्रेन में पर्स लूट का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार को उस वक्त हुई जब महिला अपने पति के साथ मैहर यात्रा के लिए निकली थी। पर्स में आभूषण, दो मोबाइल, क्रेडिट कार्ड, सात हजार रुपये नकद और अन्य जरूरी सामान था। पीड़िता की ओर से कैंट जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है, और पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहारे जांच में जुट गई है।शिवपुर स्थित रूद्रा अपार्टमेंट निवासी अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि वे अपनी पत्नी उर्मिला गुप्ता के साथ 01054 स्पेशल ट्रेन के एस-10 कोच में सीट संख्या 66 और 68 पर सवार थे। दोनों मैहर की धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। ट्रेन जैसे ही वाराणसी कैंट स्टेशन से रवाना होकर काशी स्टेशन के आउटर पर पहुंची, तभी अचानक कोच में सवार एक बदमाश ने उनकी पत्नी के हाथ से पर्स झपट लिया और चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया।अजय गुप्ता ने बताया कि उनकी पत्नी ने बदमाश को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह पलक झपकते ही नजरों से ओझल हो गया। घटना के तुरंत बाद उन्होंने यात्रियों की मदद से शोर मचाया और ट्रेन के काशी स्टेशन पर रुकते ही बदमाश की तलाश शुरू की, लेकिन तब तक वह काफी दूर निकल चुका था। अजय गुप्ता ने बताया कि वह रूप से आगरा के सिकंदरा क्षेत्र के रहने वाल हैं और वाराणसी में निवास करते हैं।पीड़िता उर्मिला गुप्ता के पर्स में सोने के गहने, दो कीमती मोबाइल फोन, क्रेडिट कार्ड, सात हजार रुपये नकद और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज मौजूद थे। घटना से आहत दंपती ने यात्रा रद्द कर दी और तुरंत कैंट जीआरपी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।जीआरपी थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और स्टेशन परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपी की पहचान और लोकेशन का पता लगाया जा सके। साथ ही रेलवे सुरक्षा बल की टीमों को भी सतर्क किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम को नगर आयुक्त प्रयागराज बनाया गया

विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दी गयी भावभीनी विदाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम के नगर आयुक्त प्रयागराज बनाए जाने और अपना प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने के उपरांत मुख्यालय स्थानांतरण होने पर प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी निधि शुक्ला को शनिवार को विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी के सरल स्वभाव की सराहना करते हुए उनके साथ कार्य करने के दौरान के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि मुख्य विकास अधिकारी अनुशासित और वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आदर, सम्मान और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले व्यक्ति है। उनके अंदर नेतृत्व की असीम क्षमता है। ये भाव उनके व्यक्तित्व को अन्य से अलग बनाता है।प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी निधि शुक्ला की सराहना करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में अपनी प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्होंने दिए गए सभी दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। मुख्य विकास अधिकारी और प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी ने सभी का आभार जताया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नंदन सिंह,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार ,उप जिलाधिकारी गण, बेसिक शिक्षा अधिकारी, तहसील और ब्लाक स्तरीय अधिकारियों ने मुख्य विकास अधिकारी के 03 साल के सुनहरे कार्यकाल की सराहना की। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्य विकास अधिकारी को पुष्पगुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर उन्हें विदाई दी। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, परियोजना निदेशक के. के.पांडेय, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष बनीं रूक्मिणी एवं उनके पति बनें श्रीकृष्ण

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल के आवास महाजन बाड़ा पर भागवत कथा का पाठ बैठा है कपाठ के पांचवे दिन कृष्ण और रुक्मणि स्वयंवर का पाठ था जिसमे गुरु जी के निर्देश पर भगवान कृष्ण का अभिनय चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू जी द्वारा और रुक्मणि का किरदार स्वयं नगर पंचायत केराकत चेयरमैन (अध्यक्ष) ज्योति जायसवाल जी ने निभाया ककार्यक्रम में उपस्थित सभी भक्त जनों ने भगवान कृष्ण और माता रुक्मणि का आशीर्वाद प्राप्त किया गया कइस शुभ मौके पर नगर पंचायत केराकत चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल के ससुर अशोक जायसवाल,हरिश्चंद्र जायसवाल, उमाशंकर जायसवाल सहित समस्त जायसवाल परिवार उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा बाल विवाह रोका गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर पुलिस, थाना एएचटी, बाल संरक्षण टीम व चाइल्ड लाइन टीम द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाही करते हुए बाल विवाह को रोकवाया गया । पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत/क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में कल दिनांक 18.04.2025 को चाइल्ड लाइन को सूचना प्राप्त हुई कि थाना जलालपुर अन्तर्गत थानाक्षेत्र में बाल विवाह के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना पर थाना जलालपुर पुलिस, थाना एएचटी, बाल संरक्षण टीम व चाइल्ड लाइन टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर संयुक्त रुप से कार्यवाही करते हुए बाल विवाह होने से पूर्व ही रोकवा दिया गया एवं आवश्यक कार्यवाही कर उभयपक्षो को बाल कल्याण समिति (CWC) के समक्ष पेश किया, अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

हौज टोलप्लाजा के कट पर वसूली को लेकर भिड़े युवक, एक पिस्टल के साथ दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा के समीप सादीपुर गांव के कट पर वसूली को लेकर दो पक्षों में शनिवार को बवाल हो गया। मामला काफी गम्भीर होने से बच गया। एक बदमाश को दूसरे पक्ष के लोगों ने पिस्टल के साथ दबोच लिया। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।ऊक्त स्थान पर टोलटैक्स बचाने के लिए बैरियर लगाकर वसूली किया जाता है। उसी वसूली को करने के लिए दो पक्ष के लोग आमने सामने हो गए। एक पक्ष के युवक वहां पहुंच कर बवाल करने लगे। एक युवक को कई युवकों ने जमीन में पटक कर दबोच लिया। उसके हाथ मे पिस्टल दिखाई दे रहा है। जिस युवक ने पिस्टल लिया था वह किसी तरह से मौके से भाग निकला। दूसरे पक्ष के युवक उस पिस्टल को ले जाकर थानाध्यक्ष जलालपुर त्रिवेणी सिंह को सौंप दिया।इस बारे में थानाध्यक्ष सिंह ने बताया कि ऊक्त स्थान पर वसूली को लेकर विवाद था। उसको तत्काल बन्द करवा दिया गया है। साथ ही जिस युवक के हाथ मे पिस्टल लिए होने की घटना की जांच की जा रही है। उसे जल्द गिरफ्तार करके मामले की सच्चाई को सामने लाया जाएगा। दोषियों पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

यात्रा में शामिल विद्यार्थियों को कुलपति ने किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की तीन दिवसीय आयोजित तीन दिवसीय तिरंगा साइकिल यात्रा में शामिल विद्यार्थियों और सहयोग करने वालों को कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों ने तिरंगा साइकिल यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर देश भक्ति, एकता और आत्मबल का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।यह यात्रा आपके जीवन में राष्ट्र प्रेम की भावना को और प्रबल करेंगी।उन्होंने कहा कि जीवन में देश के तिरंगे से ऊर्जा लेते रहे.परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं प्रो. मानस पांडे ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। सफलतापूर्वक 150 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूर्ण करने पर यात्रा के नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार यादव ने यात्रा के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया एवं साइकिल यात्रा दल में सम्मिलित छात्रों को बधाई दी,साइकिल यात्रा में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया था।इस दौरान जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों से होते हुए शहीद स्थलों पर पहुंचकर उन्हें नमन किया था।इसके साथ ही शहीदों के परिजनों से मिलकर उन्हें विश्वविद्यालय का मान-पत्र, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया था। इस यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने समाज को नशा मुक्ति और दहेज मुक्ति के लिए संदेश दिया।विद्यार्थियों ने यात्रा के दौरान अपने अनुभवों को भी साझा किया।

जौनपुर: बंगाल सरकार के विरोध में विहिप ने किया जोरदार प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद विभाग,जौनपुर एवं मछलीशहर जिला मिलकर बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है।उससे स्पष्ट लगता है कि बंगाल की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। मुर्शिदाबाद से प्रारम्भ हुई यह भीषण हिंसा अब संपूर्ण बंगाल में फैलती हुई दिखाई दे रही है। शासकीय तंत्र दंगाइयों के सामने केवल निष्क्रिय ही नहीं अपितु कई स्थानों पर इनका सहायक या प्रेरक बन गया है। इससे पहले कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए।केंद्र सरकार को प्रशासन का नियंत्रण व संचालन अपने हाथ में लेकर राष्ट्र विरोधी व हिंदू विरोधी तत्वों को उनके कुकर्मों के लिए कठोरतम सजा दिलवानी चाहिए।मुस्लिम भीड़ द्वारा 11 अप्रैल, 2025 को वक्फ कानून के विरोध के नाम पर किया गया हिंसक प्रदर्शन कानून बनाने वाली सरकार के विरोध में नहीं अपितु हिंदुओं पर हिंसक आक्रमण के रूप में था जबकि हिंदू समाज का इस कानून के निर्माण में कोई भूमिका नहीं थी और यह एक शुद्ध संवैधानिक प्रक्रिया थी । इसका स्पष्ट अर्थ है कि वक्फ तो केवल बहाना था। असली उद्देश्य मुर्शिदाबाद को हिंदू शून्य बनाना था।

एक इमाम ने एक दिन पहले ही धमकी दी थी कि अगर ममता बनर्जी ने उनका साथ नहीं दिया तो वह उसकी औकात बता देंगे। आज की बंगाल की स्थिति से यह स्पष्ट है कि ममता सरकार भारत के संघीय ढांचे को बंगाल में ध्वस्त कर अपनी सरकार और वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती है। बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ चुकी है। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को निर्बाध रूप से आने दिया जा रहा है। उनके आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। पाकिस्तानी तथा बांग्लादेशी आतंकी संगठनों की सक्रियता बढ़ती जा रही है।हिंदुओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है और न्यायालय के आदेश पर ही हिंदू त्योहारों को अनुमति मिल पाती है । उनको सुरक्षा देने वाले अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाया जाता है।

हिंदू का अस्तित्व खतरे में पड़ चुका है। कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से नष्ट हो चुकी है। तृणमूल के असामाजिक तत्व व जिहादी गुंडो के नियंत्रण व निर्देश पर ही प्रशासन काम करने के लिए विवश है। आज यह हिंसा मुर्शिदाबाद से निकलकर संपूर्ण बंगाल में फैलती जा रही है। अब यह बंगाल तक भी सीमित नहीं रहेगी। इसलिए देश की जनता मांग करती है कि,1. बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।2. बंगाल की हिंसा की जांच ठक्ष के द्वारा करवाई जाए और दोषियों को अविलंब दंडित किया जाए।3. बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में दिया जाए।4. बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनको निष्कासित किया जाए। बंगाल व बांग्लादेश की 450 किलोमीटर की सीमा पर तार लगाने का काम अविलंब प्रारंभ किया जाए जिसे ममता बनर्जी ने रोका हुआ था।उक्त विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से संघ के विभाग प्रचारक अजीत जी, विभाग अध्यक्ष उदयराज जी, मंत्री समर बहादुर सिंह, विभाग संगठन मंत्री सत्येंद्र जी, जौनपुर जिला अध्यक्ष विमल सिंह मछली शहर जिला अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, जिला प्रचारक रजत, प्रचार प्रमुख सुनील, महेंद्र प्रताप, प्रान्त गो रक्षा प्रमुख विजय, जिला गोरक्षा प्रमुख देवेंद्र, जिला संयोजक बजरंगदल, सत्यम शुक्ला, सहसंयोजक अनिल कौशल जी,शिवम् अग्रहरि, आशीष मिश्रा, उमेश शर्मा, विनोदजी, रोहित, व अन्य हिन्दू जनमानस उपस्थित रहे।

बेकाबू ट्रैक्टर ने पैदल घर जा रहीं दो महिला को कुचला,मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। हंडिया थाना क्षेत्र के सरायंपीथा बाजार से वापस पैदल घर जा रहीं दो महिलाएं तेज रफ्तार से गुजर रहे ट्रैक्टर से हादसे का शिकार हो गईं। कुचल जाने से दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। शाहीपुर गांव निवासी संतोष यादव की पत्नी रेखा देवी (30) और शैलेश यादव की पत्नी उर्मिला देवी (38) चचेरी देवरानी-जेठानी थीं। दोनों महिलाएं शनिवार को दोपहर घरेलू काम से पड़ोसी बाजार सरायंपीथा आई थीं कदोनों जब वापस घर लौट रही थी उसी समय हंडिया की तरफ से धनूपुर की ओर तेज रफ्तार से जा रहा ट्रैक्टर बेकाबू होकर सामने जा रहे वाहन को टक्कर मारते हुए महिलाओं को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से भाग निकला। दुकानदारों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पुलिस और परिजन भी मौके पर पहुंच गए। तत्काल दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंडिया उपरदहां ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शैलेश यादव मुंबई में प्राइवेट नौकरी करता है।

बस की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत

लखीमपुर खीरी (उत्तर शक्ति)। लखीमपुर खीरी में शारदानगर मार्ग पर तेतारपुर गांव के पास शनिवार दोपहर बस की टक्कर से अमरोहा निवासी बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। वहीं बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इससे चार यात्री चोटिल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस के मुताबिक अमरोहा के निजामपुर सेनधरी निवासी बलवंत अपने पुत्र आनंद कुमार और साले विजय के साथ शनिवार को शारदानगर गए थे। दोपहर बाद पिता और पुत्र एक बाइक से और विजय दूसरी बाइक से वापस लखीमपुर जा रहे थे। फूलबेहड़ क्षेत्र में तेतारपुर गांव के पास मोड़ पर बाइक सवार पिता-पुत्र को तेज रफ्तार बस ने चपेट में ले लिया। हादसे में बलवंत (52 वर्ष) और उसके पुत्र आनंद (35वर्ष) की मौके पर मौत हो गई। दूसरी बाइक से चल रहे विजय बाल-बाल बचे। बाइक से भिड़ने के बाद बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इससे बस सवार यात्री निघासन के रकेहटी निवासी इनायत अली और बाराबंकी निवासी प्रहलाद, गीता देवी, सुनीता देवी और बुजुर्ग चेतरी देवी समेत चार सवारियां चोटिल हो गई। प्रभारी निरीक्षक आलोक धीमान ने बताया कि अमरोहा निवासी मृतक पिता और पुत्र शहर के राजापुर चौराहे के पास जड़ी बूटी बेचने का काम करते थे। उनके परिजनों को सूचना दे दी है।

टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के महाकुंभ क्षेत्र में स्थित परेड ग्राउंड के पास एक टेंट के गोदाम में आग लग गई है। ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही हैं। आग पर दमकल की गाड़ियां काबू पाने में जुटी हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, परेड ग्राउंड स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार की सुबह आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलती गई। आग का भयावह रूप देख इलाके में हड़कंप मच गया। ऊंची-ऊंची आग की लपटें और आसमान में धुएं के गुबार दिखाई दिए। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। फिलहाल आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। आग लगने की घटना में अभी तक जनहानि की कोई खबर नहीं है।

एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ के लिए टेंट लगाने का सामान सप्लाई करने वाली एक कंपनी के गोदाम में शनिवार सुबह आग लग गई।उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए पानी की गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटनास्थल के पास एक अन्य गोदाम में काम करने वाले राहुल ने दावा किया कि सिलेंडर फटने की आवाज सुनी गई थी। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजीव कुमार पांडे ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए छह पानी की गाड़ियां लगाई गई हैं। अन्य स्थानों से भी पानी की गाड़ियां मौके पर पहुंच रही हैं।

डीजे पर गाने को लेकर बाराती पक्ष आपस में भिड़े

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। तरवां थाना क्षेत्र के ठाटा तरवां गांव से बेल्थरा बलिया गई बारात में बारातियों के दो पक्ष डीजे पर गाना बजाने को लेकर आपस में भिड़ गए। बारात के वापस आने पर गांव के लोगों ने रिश्तेदारों को रोक लिया और उनकी पिटाई शुरू कर दी। उनकी गाड़ियां तोड़ दी। सूचना पर पहुंची पुलिस की गाड़ी को भी लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने 14 लोगों को हिरासत में लिया और थाने ले आई। ठाटा तरवां गांव निवासी हरेंद्र चौहान पुत्र रामायण चौहान की बारात शुक्रवार को बेल्थरा बलिया गई थी। बारात में गांव के साथ ही गाजीपुर जनपद के सादियाबाद से हरेंद्र चौहान के बहनोई और गांव के लोग गए थे। हरेंद्र अपने जीजा के यहां बचपन से ही रहता था इसलिए उसने गांव के लोगों को भी निमंत्रण दिया था। बारात में डीजे पर गाने बजाने को लेकर ठाटा तरवां और सादियाबाद के लोगों में मारपीट हो गई। सुबह बारात विदा होकर ठाटा तरवां गांव पहुंची। जब सादियाबाद के रिश्तेदार जाने लगे तो गांव के लोगों ने उन्हें रोक लिया और जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी भी हुई। गांव के लोगों ने सादियाबाद से आए लोगों की बाइक और चार पहिया वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी होते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। लोगों ने पुलिस को भी नहीं बख्शा और उसकी गाड़ी पर भी पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

सरकारी जमीन से बने 15 अवैध मकानों को ढहाया

बरदह (उत्तरशक्ति)। मार्टीनगंज तहसील क्षेत्र के गोठाव गांव में पोखरी भीटा की सरकारी जमीन पर बने 15 अवैध मकानों को कोर्ट के आदेश पर प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए मार्टीनगंज एसडीएम रामानुज शुक्ला और फूलपुर तहसीलदार कमल सिंह के नेतृत्व में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी और बुलडोजर की मदद से कच्चे-पक्के मकानों को पूरी तरह से गिरा दिया गया। अभियान के तहत सरकारी जमीन को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त कर लिया गया है। एसडीएम रामानुज शुक्ला ने कहा कि यह कार्रवाई कोर्ट के निदेर्शानुसार की गई है और सरकारी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी ऐसी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान सार्वजनिक संपत्तियों को अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

आईजीआई डी शो-2025 ने भारत के सबसे बड़े डायमंड शो की अपनी परंपरा को कायम रखे

मुंबई। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (आईजीआई) की ओर से आयोजित आईजीआई डी शो-2025 के 21वें संस्करण ने आज आईकॉनिक जियो वर्ल्ड सेंटर में अपनी भव्यता से सबका मन मोह लिया। 3 दिनों तक चलने वाले इस शो ने एक बार फिर से भारत के प्रीमियम एक्सक्लूसिव डायमंड शो की अपनी परंपरा को दोहराया। हमेशा की तरह, इस बार भी आईजीआई डी शो ने इस क्षेत्र में व्यवसाय के विकास के साथ-साथ पूरी इंडस्ट्री में लंबे समय तक कायम रहने वाले जुड़ाव को बढ़ावा दिया। ये डायमंड एग्जिबिशन बेहद खास होने के साथ-साथ भारत के रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण आयोजन है, जो प्रमुख हीरा निमार्ताओं और लक्जरी/बेहद महंगे रिटेल ब्रांड्स के बीच ऐसे संबंधों को बढ़ावा देता है, जो मायने रखे। मुंबई में पहली बार इस प्रदर्शनी का आयोजन बेहद शानदार और सफल रहा है, जिसने अपनी चमक बिखेरने से आगे बढ़कर उद्देश्यपूर्ण संबंधों को और मजबूत किया है। इस आयोजन ने सुनियोजित तरीके से साझेदारी करने, उद्योग जगत की बहुमूल्य जानकारी का आदान-प्रदान करने और उभरते अवसरों का पता लगाने के लिए एक प्रभावशाली मंच की भूमिका निभाई है, जिसने हीरे के कारोबार में इनोवेशन और विकास को लगातार आगे बढ़ना जारी रखा है। आईजीआई की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन आईजीआई के एमडी एवं सीईओ, तहमास्प प्रिंटर ने किया।

इस इंडस्ट्री की कई गणमान्य हस्तियों ने अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जिनमें ए.एस. मोतीवाला के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अशरफ मोतीवाला; ब्लू स्टार डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अर्नव मेहता; पोपली ग्रुप ऑफ ज्वैलर्स के डायरेक्टर, श्री राजीव पोपली; लक्ष्मी डायमंड्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. चेतन कुमार मेहता; श्री शैलेश राठौड़, के पी संघवी; महेंद्र ज्वैलर्स के श्री मेहुल ओसवाल; श्री महावीर बोहरा; आभूषण; डी. पी. ज्वेललाइन लिमिटेड के श्री अमित बंदी, और हर्षाइमल श्यामलाल ज्वैलर्स के श्री अंकुर आनंद शामिल थे। इस खास शो में देश भर के 60 से ज्यादा हीरा आभूषण निमार्ताओं और रिटेलर्स ने भाग लिया, और इस कार्यक्रम में डायमंड ज्वेलरी के 100,000 से ज्यादा बेमिसाल डिजाइनों का प्रदर्शन किया गया, जो उम्दा कारीगरी, नयापन और हर कसौटी पर खरे आभूषणों की शानदार जुगलबंदी को दशार्ता है।

अमेठी में बारात ले जाते समय दूल्हे ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या, दोनों पक्षों में मचा कोहराम

अमेठी (उत्तरशक्ति)। जनपद अमेठी में शुक्रवार की देर शाम एक दर्दनाक हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। गौरीगंज थाना क्षेत्र के बनी गांव के पास एक दूल्हे ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही दोनों पक्षों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान रवि यादव (30 वर्ष), पुत्र राम किशोर यादव निवासी सूची, रायबरेली के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रवि यादव की बारात रायबरेली से आजमगढ़ जा रही थी। बनी गांव के पास अचानक दूल्हे ने गाड़ी रुकवाई और रेलवे ट्रैक की ओर पैदल चल पड़ा। तभी वाराणसी-लखनऊ रेलमार्ग पर आ रही मालगाड़ी के सामने वह कूद गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सब कुछ इतना अचानक हुआ कि कोई कुछ समझ ही नहीं पाया।

शादी की खुशी चंद पलों में मातम में बदल गई। सूचना मिलते ही दुल्हन पक्ष में भी शोक की लहर दौड़ गई और पूरा माहौल गमगीन हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही गौरीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। मामले की जांच की जा रही है। गौरीगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आत्महत्या के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

जेईई मेन 2025 में सामर्थ्य क्लासेज का धमाकेदार प्रदर्शन

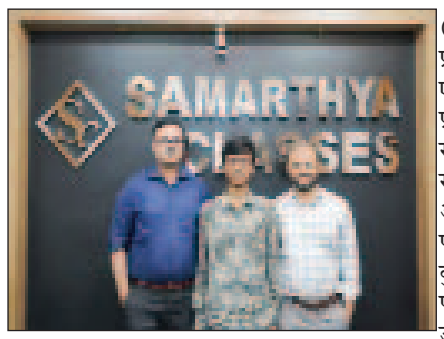

पटना (उत्तरशक्ति)। एक बार फिर से सामर्थ्य क्लासेज ने जेईई मेन 2025 में शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया है कि बिहार में गुणवत्तापूर्ण तैयारी का दूसरा नाम ही सामर्थ्य है। सबसे आगे रहे पणिनी, उन्होंने शानदार 99.9944 प्रतिशतांक के साथ जनरल कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक 140 हासिल की और जेईई मेन के प्रथम चरण में बिहार टॉपर बने। उनके बाद अभिषेक ने भी शानदार प्रदर्शन किया 99.87 प्रतिशतांक, जनरल कैटेगरी एयर 2054 और ईडब्लूएस कैटेगरी एयर 177, जो उनकी मेहनत और सामर्थ्य क्लासेज के अनुभवी शिक्षकों की गहन मार्गदर्शन प्रणाली को दशार्ता है। अन्य विद्यार्थी जिन्होंने सामर्थ्य क्लासेज का नाम रोशन किया जिसमें सुरभि (ओबीसी) 98.05 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 8069, अमिताभ (ईडब्लूएस) 98.35 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 3457, आर्यन (ईडब्ल्यूएस) 97.9 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 4398, ऋषभ (ईडब्लूएस) झ 96.08 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 8388, अनिमेश (ईडब्लूएस) झ 94.4 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 11973, अच्युत (जनरल) 93.89 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 91208, आयुष (ईडब्लूएस) 93.12 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 18827, आयुष (जनरल) 92.16 प्रतिशतांक, कैटेगरी एआईआर 37851 प्राप्त किया है। सामर्थ्य क्लासेज के संस्थापक और आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र सुमित कुमार ने कहा, पणिनी की निरंतर उत्कृष्टता और अन्य छात्रों का शानदार प्रदर्शन यह दिखाता है कि अनुशासित तैयारी, अनुभवशील मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

सामर्थ्य क्लासेज बिहार में जेईई, नीट और ओलंपियाड की तैयारी के लिए अग्रणी संस्थान बना हुआ है, जहाँ हर वर्ग के छात्रों को उनके सपनों तक पहुँचने के लिए संपूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 10 लाख की ठगी

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के टीपीनगर के एक युवक विपुल जैन से उनकी बेटी का एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर एक युवक ने दस लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर दिया। टीपीनगर थाना क्षेत्र के कमला नगर निवासी युवक विमल जैन ने एसएसपी डॉ. विपिन ताडा को तहरीर देते हुए बताया था कि उन्होंने एक वर्ष पूर्व उत्कर्ष शर्मा से बेटी का मेरठ के एक मेडिकल कॉलिज में दाखिला दिलाने के लिए बात की थी। दाखिला दिलाने के नाम युवक ने दस पीड़ित से दस लाख रुपए लिए थे। पीड़ित का आरोप है कि ना तो उनकी बेटी का मेडिकल कॉलिज में दाखिला हुआ और ना ही युवक उनके पैसे लौटा रहा है। पीड़ित के अनुसार युवक ने पिछले महीने पांच लाख रुपए का चेक दिया था। जो कि बैंक में लगाते ही बाउंस हो गया। जिसके बाद पीड़ित ने एसएसपी से गुहार लगाई थी। पुलिस ने जांच के बाद धोखाधड़ी करने वाले युवक उत्कर्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया। एसपी सिटी का कहना है कि के दर्ज कर दिया गया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र के मोहम्मद हसीन ने सीमेंट व्यापारी के खिलाफ नकली सीमेंट बेचने का आरोप लगाया था। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस मुकदमे के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रही है। शौकीन गार्डन निवासी हसीन ने बताया था कि उसने तीन महीने पहले अफसर चौधरी नाम के एक सीमेंट व्यापारी से घर बनाने के लिए लगभग 50 से 60 सीमेंट के कट्टे लिए थे। पीड़ित का आरोप है कि तीन महीने के बाद ही दीवार पर से प्लास्टर उतरने लगा था। इसके बाद पीड़ित ने व्यापारी से मामले की शिकायत की थी।

मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के मोहिउददीनपुर में खेत से चारा लेकर लौट रही महिला को सड़क पार करते समय तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। मोहउद्दीनपुर गांव निवासी विमला देवी बृहस्पतिवार सुबह खेत पर चारा लेने गई थी। वापस आते समय महिला सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कार्पियों ने महिला को टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

गन्ना किसान और बिजली सहित कई समस्याओं को लेकर बृहस्पतिवार को भाकियू अराजनीतिक दल जिलाध्यक्ष नवाब सिंह अहलावत ने अपने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया हैं। किसानों ने कहा कि प्रदेश में किसान परेशान है।

अनियंत्रित पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक गंभीर

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धमार्पुर बाजार में बीती देर रात में लगभग साढ़े 11 बजे तेज रफ्तार एक पिकअप ने बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दिया, जिससे बाइक सवार दो युवक की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जलालपुर थाना क्षेत्र के मसूदपुर गांव निवासी अर्जुन चौहान अपनी बाइक से गांव के ही विनोद चौहान और महेश के साथ बीती रात में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया में रिश्तेदार के यहां आयोजित बर्थडे पार्टी में गया हुआ था। तीनों युवक बर्थडे पार्टी अटेंड कर घर लौट रहे थे। देर रात में साढ़े 11 बजे जैसे ही अर्जुन चौहान की बाइक जौनपुर- केराकत हाईवे स्थित धमार्पुर बाजार में पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार एक पिकअप ने सामने से टक्कर मार दी।सिर में गंभीर चोट आने के कारण अर्जुन चौहान (27) पुत्र समर एवं विनोद चौहान (33) पुत्र भरत की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं महेश चौहान (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ही मौके पर काफी भीड़ जुट गई, लोगों ने घटना की सूचना थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर को दी। थाना प्रभारी फूलचंद पांडेय घटनास्थल पर पहुंच गए। थाना प्रभारी ने घायल युवक महेश चैहान को तत्काल इलाज हेतु जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, अर्जुन और विनोद की लाश को कब्जे में ले लिया। परिजनों को सूचना देते हुए लाश को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए भिजवाया।

दूसरी तरफ, घटना के बाद ही अज्ञात पिकअप चालक मौके से फरार हो गया।थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि पंचहटिया से बर्थडे पार्टी से एक ही बाइक पर तीनों युवक वापस घर लौट रहे थे। अज्ञात पिकअप ने टक्कर मार दिया। अर्जुन और विनोद चौहान की मौके पर मौत हो गई। महेश चौहान का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। परिजनों द्वारा तहरीर दी गई है। अज्ञात पिकअप चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

अवैध हथियारों की सप्लाई का भंडाफोड़

मेरठ(उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस ने तीन पिस्टलों, चार तमंचों के साथ सात आरोपी पकड़े थे। शनिवार को खालापार पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ 11 आरोपी पकड़े। इनमें सरधना निवासी सरगना विशाल सहित गिरोह के छह सदस्य व पांच खरीदार है। सगे दो भाई व एक पैरा मिलिट्री का जवान भी शामिल है। यह गिरोह डिलीवरी देने आया था। यह गिरोह वेस्ट यूपी में डिमांड पर सप्लाई करता है। सोशल मीडिया पर सक्रियता की जांच की जा रही है। एसपी सिटी सत्य नारायण प्रजापत ने यातायात पुलिस के सभागार में प्रेसवार्ता में बताया कि खालापार थान प्रभारी महावीर चौहान ने टीम की मदद से पिस्टलों व तमंचों की खरीद-फरोख्त करने वाला मेरठ जनपद के सरगना निवासी विशाल गैंग के सदस्यों को शामली रोड पर बने नए फ्लाई ओवर के नीचे से पकड़ा।

एनसीसी कैडेट का फंदे से लटकता मिला शव

कानपुर (उत्तरशक्ति)। पनकी थानाक्षेत्र में संदिग्ध हालात में एनसीसी कैडेट ने फंदे पर लटककर जान दे दी। शिवनगर डूडा कॉलोनी निवासी प्राविधिक शिक्षा निदेशालय में तैनात पीआरडी जवान धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि बड़ा रत्नेश कुमार (15) कक्षा नौ का छात्र था और स्वामी विवेकानंद रायपुर से एनसीसी कैडेट की ट्रेनिंग कर रहा था। परिवार में पत्नी सुमन और एक छोटा बेटा समीर, बेटी मुस्कान है। शुक्रवार को रत्नेश कोचिंग पढ़ने के बाद कमरे में चला गया। कुछ देर बाद छोटे बेटे समीर ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन रत्नेश की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो रत्नेश का शव फंदे से लटकता मिला। पनकी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के पीछे का कारण परिजन नहीं बता सके हैं। पीआरडी जवान के अनुसार, उन्होंने दो शादी की हैं।

शव दफनाने के विवाद में दो समुदायों के बीच चले ईंट- पत्थर

मऊ (उत्तरशक्ति)। मऊ जिले में कोतवाली क्षेत्र के बरईपुर मोहल्ले के खराटी दलित आबादी के पास शव दफनाने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। बाद में दूसरी जगह शव दफनाने पर दोनों पक्षों में सहमती बनी और सुलह कर लिया। मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के खराटी दलित आबादी के पास बंजर जमीन है। यहां मुस्लिम समुदाय के शव दफनाए जाते हैं। शनिवार को रसूलपुर मोहल्ले के मुस्लिम परिवार के एक व्यक्ति का इंतकाल हो गया। शव को दफनाने के लिए कुछ लोग गड्ढा खोद रहे थे, तभी खराटी दलित मोहल्ले के लोगों ने वहां कब्र खोदने से मना किया। आरोप लगाया कि कब्र खोदने से मना करने पर दूसरे पक्ष के तीन युवकों ने दलित बस्ती के राम केवल की पिटाई कर दी। कब्र खुदाई रोकने की जानकारी पर दूसरे समुदाय के 12 से 15 लोग वहां पहुंच गए। विवाद की जानकारी पर दलित बस्ती से पुरुष और महिलाएं मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्ष एक दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो भीड़ वहां से फरार हो गई।

दोनों पक्षों को पुलिस कोतवाली लेकर पहुंची। दलित बस्ती की महिलाएं कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग करने लगीं। घायल रामकेवल ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस और राजस्व टीम की मौजूदगी में दोनों पक्ष में वार्ता के बाद शव को दूसरी जगह दफनाने पर सुलह समझौता हो गया। मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के खराटी दलित आबादी के समीप शव दफनाने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। बाद में शव को कुछ दूर दफनाने पर दोनों पक्षों ने राजी होकर सुलह समझौता कर लिया।

पुरानी बस्ती में हुई व्यापारियों की गोष्ठी

बस्ती (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती महेश सिंह ने शुक्रवार को पुरानी बस्ती क्षेत्र के समस्त स्वर्ण व्यापारियों, ग्राहक सेवा केंद्र संचालक, पेट्रोल पंप मालिकों/ प्रबंधकों व अन्य व्यापारियों के साथ गोष्ठी की। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए बताया गया। उच्च स्तर से प्राप्त निर्देश से अवगत कराया गया। असहज स्थिति उत्पन्न होने पर थाने पर सूचना देने की अपील की गई। गोष्ठी में प्रभात सोनी, भोला गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, कुंदन लाल वर्मा, मोहम्मद खालिद, गिरीश शुक्ला, कुसुम लता जायसवाल, राहुल पाल, शिवम जायसवाल, सलमान खान, गिरधारी लाल साहू, चुनमुन लाल व अन्य लोग मौजूद रहे।

इंडकल टेक्नोलॉजीज ने एसर के दो स्मार्टफोन लॉन्च किये

पटना (उत्तरशक्ति)। इंडकल टेक्नोलॉजीज ने भारत में एसर इंक के साथ ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग समझौते के तहत एसर ब्रांड के दो स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। इस टेक्नोलॉजी स्टार्टअप को अपने नए और शानदार इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स के लिए जाना जाता है। कंपनी ने एक वर्चुअल इवेंट के जरिए सुपर जेडएक्स सीरीज के दो शानदार मॉडल पेश किए हैं। ये फोन प्रीमियम डिजाइन और आधुनिक फीचर्स के साथ आते हैं। एसर सुपर जेडएक्स और एसर सुपर जेडएक्स प्रो की कीमतें बेहद प्रतिस्पर्धी हैं और इन्हें प्रीमियम फीचर्स प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे देश भर के उपभोक्ताओं तक आधुनिक टेक्नोलॉजी तक आसानी से पहुंचेगी। एसर सुपर जेडएक्स शानदार फीचर्स के साथ आता है। सुपर जेडएक्स स्मार्टफोन में शानदार चिपसेट और कैमरा परफॉर्मेंस है, जो इस सेगमेंट में सबसे बेहतर है। इसका स्लिम डिजाइन और 6.78 इंच का एफएचडी प्लस 120हर्ट्ज डिस्प्ले इसे खास बनाता है, जो इस सेगमेंट का पहला एफएचडी प्लस डिस्प्ले है। इसके बैक में ट्रिपल-कैमरा सेटअप है, जो 15,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन्स में अनोखा है। साथ ही, इसमें 33वाट फास्ट चार्जिंग की भी खूबी है। यह फोन स्टॉक एंड्रॉयड 15 पर चलता है और मीडियाटेक 6300 चिपसेट से लैस है। एसर सुपर जेडएक्स प्रो 25,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले फोन्स को टक्कर देता है। इसमें 6.67 इंच का प्रीमियम एमोलेड डिस्प्ले और आईपी64-रेटेड ग्लास डिजाइन है, जो फ्रॉस्टेड ग्लास बैक और मेटल फ्रेम के साथ बहुत आकर्षक और ड्यूरेबल है।

इस सेगमेंट में पहली बार अप्रैल में लॉन्च हुए मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 चिपसेट का इस्तेमाल किया गया है। यह चिपसेट डाइमेंसिटी चिपसेट की सीरीज में सबसे शक्तिशाली है और फोन को तेज बनाता है। इस सीरीज में पहली बार एआई को भी शामिल किया गया है। इंडकल टेक्नोलॉजीज के सीईओ आनंद दुबे ने कहा, ‘यह हमारी कंपनी के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस लॉन्च के साथ हम सबसे बड़े कंज?यूमर प्रोडक्ट के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। हमारा मकसद ऐसा स्मार्टफोन लाना था जो पूरी तरह भारत में डिजाइन हो और परफॉर्मेंस में सबसे आगे हो। हम न केवल डाइमेंसिटी 7400 चिपसेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय कंपनी बने, बल्कि इस सेगमेंट में सभी ब्रांड्स में इसे लाने वाली पहली कंपनी भी हैं। यह दिखाता है कि इंडकल इलेक्ट्रॉनिक्स में कितना नया और बेहतर कर सकती है।